Veer Narmad South Gujarat University, Surat

Re-accredited by NAAC with 'A' grade

सत्यम् ज्ञानम् अनन्तम्

VNSGU
VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT

ઈ—દક્ષિણાયન
Dakshinayan e-Newsletter
For Private Circulation Only

Vol. 12, Issue. 213, February 2021

का.कुलपतिश्री का मंगल प्रवचनः दीक्षांत समारोह

"ब्रम्हांड में व्याप्त सप्त रंग और सप्त सुर, इन सुरों की सरगम से मिलकर बनता है ॐ, अनादि काल से प्रारंभ और अंत का प्रतीक ओम".

विश्वविद्यालय में प्रति वर्ष नए विद्यार्थी शिक्षा के लिए, ज्ञान के लिए प्रवेश लेते हैं और कई विद्यार्थी शिक्षा पूरी कर समाज और देश में अपने ज्ञान का योगदान देने के लिए वापस जाते हैं, यह एक तरफ उनकी शिक्षा का अंत है तो दूसरी तरफ उनके नए जीवन का प्रारम्भ और यही है हमारा दीक्षांत समारोह.

हमारे आज के दीक्षांत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुजरात के माननीय राज्यपाल, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री आचार्य देवव्रत जी का मैं इस मंच पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करती हूँ. हमारे लिए हर्ष का विषय है कि हमारे मध्य मंच पर आज राज्य की माननीय प्रथम महिला भी मौजूद है मैं बेहद सम्मान के साथ उनका स्वागत करती हूँ.

हमारे साथ इस कार्यक्रम को ऑनलाइन साझा कर रहे है माननीय श्री अमिताभ कान्त जी, जो कि नीति आयोग के C.E.O. है, उनका यूनिवर्सिटी परिवार की और से हार्दिक स्वागत करती हूँ.

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय परिवार का इस पावन अवसर पर मैं हदय से स्वागत करती हूँ.

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के बावनवें दीक्षांत समारोह में आप सभी का स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है. मेरी प्रसन्नता और आनंद का सबसे बडा कारण है कि लगभग एक वर्ष पश्चात होने जा रहे विश्वविद्यालय के ऑफलाइन कार्यक्रम की साक्षी बनने का मुझे अवसर मिला है.

मेरी प्रसन्ता का दूसरा बडा कारण आज यहाँ उपस्थित हमारे विश्वविद्यालय के अनेक विद्यार्थियों को मिलने वाली उपाधियाँ एवं पारितोषिक है. दीक्षांत समारोह शिक्षक एवं विद्यार्थी दोनों के लिए एक महोत्सव होता है कयोंकि आज ही के दिन के लिए वे साथ मिलकर प्रयास एवं कठिन परिश्रम करते हैं.

मानव जाति COVID-19 महामारी की प्रत्यक्ष गवाह बनी, जिसका इससे पूर्व किसी ने स्वप्न में भी विचार नहीं किया होगा, लेकिन इस महामारी में भी मानव ने अपने विश्वास और आशा को नहीं डगमगाने दिया. इसी का परिणाम है कि आज हम एक सामान्य जीवन की और बढ रहे हैं

भारत के, माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हमें धन्यवाद देना चाहिए क्यूँकि COVID-19 के दौरान इस महामारी से निपटने के उनके अनेक प्रयास, उनकी सक्रियता विशेष रूप से उल्लेखनीय रही. जिसकी डब्ल्यूएचओ, संयुकत राष्ट्र और कई देशों द्वारा सराहना की गयी है. हमें अत्यंत गर्व है कि उनके प्रयासों के कारण आज भारत राष्ट्र दवा और टीके के रूप में दुनिया को संजीवनी प्रदान करने वाले विश्व नेता के रूप में विश्व पटल पर अपनी पहचान बना चूका है.

गुजरात सरकार ने COVID-19 के दौरान आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं.

राज्य सरकार, विशेष रूप से माननीय मुख्यमंत्री श्री विजय रूपानी जी एवं माननीय शिक्षा मंत्री श्री भूपेंद्रसिंह चुडास्मा जी के शैक्षणिक संस्थानों के संबंध में लिए गए निर्णयों का भी स्वागत करती हूं. राज्य सरकार द्वारा ऑनलाइन शिक्षण के लिए संसाधन उपलब्ध कराने की उनकी पहल के लिए हम सभी उनके अत्यंत आभारी है जिसके कारण COVID-19 के संकट के समय शिक्षण कार्य अबाधित रूप से होना संभव हो सका. यही वजह रही की, तुलनात्मक रूप से गुजरात ने ऑनलाइन शिक्षण में बेहतर प्रदर्शन किया है.

माननीय राज्यपाल महोदय, COVID-19 की चुनोतियों के बावजूद, विश्वविद्यालय ने अपने स्तर पर अधिकतम कार्य किया है.

VNSGU की टीम ऑनलाइन कक्षाओं के साथ ऑफलाइन कक्षाओं का संचालन भी सरकार द्वारा निर्धारित SOP के साथ कर रही है. इसके अलावा, हमने सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए ऑफ-लाइन परीक्षाओं को भी आयोजित किया है. उल्लेखनीय है कि विश्ववविद्यालय ने अपने मजबूत तकनिकी सूचना तंत्र की सहायता से महामारी के दौरान आने वाली चुनौतियों का सामना किया. इसके अलावा, विश्ववविद्यालय राज्य सरकार और भारत सरकार द्वारा दिए गए
दिशानिर्देशों के अनुसार नई शिक्षा नीति को लागू करने की कार्य योजना पर कार्य कर रहा है.

Respected All, As you aware that the Veer Narmad South Gujarat University, a state university was established in 1965, reaccredited by NAAC with 'A' grade and 3.02 CGPA, recognized by UGC and catering the needs of seven district and union territory of Southern region of the Gujarat State. There are 25 PG

Departments and Centers including 4 SAP departments on the University campus that offers 95 programs with multiple specializations and more than 4000 students are studying on the campus.

The University has 34 Government, 60 Grant-in-aid and 197 Self-financed Colleges and 40 Post-graduate Teaching Centers attached to affiliated colleges and having more than 2.5 lacs student's strength and more than 50% are female students and many students are from tribal area.

मुझे यह कहते हुए गर्व है कि VNSGU की टीम ने पिछले वर्ष COVID-19 के चुनौतीपूर्ण समय में भी कई उपलब्धियां प्राप्त कीं, ऐसी कुछ विशेष उपलब्धियों को में यहां आपके समक्ष प्रस्तुत करना चाहूंगी.

Infrastructural Reforms:

1. The University will expand its infrastructure by constructing Rural Studies Department Building, Guest House, Hindi & Sanskrit Department Building, Library Building, Compound Wall.

Student Centric Initiatives:

1. Due to Corona pandemic and its effect on economy, concession in fees has been provided to our dear students.
2. A provision for reassessment has been made across all the faculties and all semesters.
3. In the past, many students dropped their study due to stipulated time period and trials. University is now providing one more trials to them to complete their study.

Teaching – learning and Research Initiatives:

1. The University has signed an MoU with Research for Resurgence Foundation, Nagpur, for motivation and promotion of research.
2. Initiated a P.G. Centre for L.L.M. (Business Law) at M.S.K. Law College, Bharuch
3. Different committee working for the implementation of New Education Policy

Administrative Reforms:

1. Prompt action and resolution of all the long-pending academic and administrative issues
2. Reduced two years' probation into one year as per UGC Regulations
3. Receipt of donation of Rs. 10 Lacs for establishment of Bapalal Vaidhya Chair in the Department of Bioscience.

Examination Reforms:

1. First–ever organization of online examination held for the students of first year for the faculty of Homeopathic and Architecture during COVID-19
2. Display of the Student's Answers and Answer key for Ph.D. Entrance Examination
3. Removal of negative marks for Ph.D. Entrance Examination
4. Successfully conducted Ph.D. Entrance Examination

N.S.S., N.C.C. Activities:

1. Selection of 12 volunteers for 2020 Pre-Parade Camp for D.R.C. at Hyderabad
2. Selection of 02 volunteers for 2021 Parade Camp for D.R.C. at New Delhi
3. E-Inauguration of Innovation and Start-up Centre

Webinars:

The University organized numerous academic, self-reliance and social awareness webinar on the range of relevant topics during COVID 19.

And I take this opportunity to express my sincere gratitude and appreciation towards the members of the Senate, Syndicate, AC, Heads of the various Departments, Principals of affiliated Colleges and students for their unconditional supports.

It is a matter of great pride that today 179 medals / prizes, 99 Ph.D. / M. Phil. degrees and 36614 degrees have been awarded to the students.

VNSGU परिवार के कुछ सहयोगियों की आयु इस वर्ष सेवानिवृत्ति की और है मैं हदय से उनके कार्यकाल के दौरान उनके द्वारा दिए गए सहयोग के लिए आभार प्रकट करते हुए उनके अग्रिम जीवन के लिए शुभकामनायें प्रदान करती हूँ.

अंत में मैं आप सभी विद्यार्थीयों को कहना चाहती हूँः

ये वकत यहीं थम जाए
आप सभी का साथ यूँ ही बना रह जाए
ये आशीष देते हैं तुम्हें
पहचान हमारी भी तुम्हारे नाम से जानी जाए

आप सभी के स्वर्णिम भविष्य की शुभकामनाओं के साथ अपना उदबोधन आशिष के साथ समाप्त करती हूं.

जय हिन्द, जय जय गरवी गुजरात.

તા. ૨૬ ફેબ્રુઆરી ૨૦૨૧

ડૉ. હેમાલીબેન દેસાઈ
ઈ.ચા.કુલપતિશ્રી

યુનિવર્સિટી ન્યૂઝ

બાવનમો વાર્ષિક પદવીદાન સમારંભ

વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટીનો બાવનમો વાર્ષિક પદવીદાન સમારંભનું તા. ૨૬ ફેબ્રુઆરી, ૨૦૨૧ના રોજ યુનિવર્સિટીના પરિસર ખાતે યોજવામાં આવ્યો હતો. આ પદવીદાન સમારંભમાં ૧૨ વિદ્યાશાખાની ૧૧૧ પદવીઓ ૩૬૬૧૪ વિદ્યાર્થીઓને એનાયત થઈ હતી. આ કાર્યક્રમમાં મુખ્ય મહેમાન તરીકે નીતિ આયોગના સી.ઈ.ઓ., શ્રી અમિતાભ કાંત અને પદવીદાન સમારંભના અધ્યક્ષ તરીકે માનનીય કુલાધિપતિશ્રી અને ગુજરાત રાજયના રાજયપાલશ્રી, શ્રી આચાર્ય દેવવ્રત ઉપસ્થિત રહ્યા હતા.

પદવીદાન સમારંભના અધ્યક્ષ માનનીય કુલાધિપતિશ્રી અને રાજયપાલશ્રી, શ્રી આચાર્ય દેવવ્રતજીએ પોતાના પ્રાસંગિક પ્રવચનમાં પદવી મેળવનાર વિદ્યાર્થીઓને શુભકામના આપતાં કહ્યું કે, વિદ્યાર્થીઓએ સત્ય, કર્તવ્ય અને ધર્મના માર્ગે ચાલવું જોઈએ. પદવી મેળવ્યા પછી પણ વિદ્યાર્થીએ પોતે સતત સ્વાધ્યાય કરવું જોઈએ એવી આશા વ્યકત કરી હતી. ઉપરાંત કહ્યું કે, તમારૂ સદભાગ્ય છે કે તમે ગુજરાતની ધરતી પર જન્મ લીધો છે. ગુજરાત એ ગાંધીજી, શ્યામજીકૃષ્ણ વર્મા, સરદાર પટેલ, વીર કવિ નર્મદ અને વડા પ્રધાન શ્રી નરેન્દ્ર મોદી જેવા મહાપુરૂષો દુનિયાને આપ્યા છે.

મુખ્ય મહેમાન નીતિ આયોગના સી.ઈ.ઓ., શ્રી અમિતાભ કાંતે પોતાના ઓનલાઈન ઉદબોધનમાં વિદ્યાર્થીઓના ઉજ્જવળ ભવિષ્ય માટે શુભકામના આપી હતી. કોરોના મહામારી દરમ્યાન વિદ્યાર્થીઓએ પોતાનું શિક્ષણ પૂર્ણ કર્યુ જે ખૂબ જ પ્રશંસનીય છે. તેમણે વિદ્યાર્થીઓને સરકાર ધ્વારા લોંચ કરાયેલી શિક્ષા એપ ડાઉનલોડ કરવા આગ્રહ કર્યો હતો. ઉપરાંત કહ્યું કે, ભારતે એક વર્ષમાં જ વેકસિન શોધી તમામ લોકો સુધી પહોંચાડવામાં અગ્રેસર રહ્યુ છે.

ઈ.ચા.કુલપતિશ્રી ડૉ. હેમાલીબેન એ. દેસાઈએ પોતાની આવકાર વિધિમાં યુનિવર્સિટીના વિદ્યાર્થીઓને શુભકામના આપતાં કહ્યું કે, દીક્ષાંત સમારોહ વિદ્યાર્થીઓ અને શિક્ષકો માટે એક તહેવાર છે કારણ કે, આ પદવી માટે વિદ્યાર્થીએ ઘણી મહેનત કરી છે. કોરોના સમય દરમ્યાન આપણી યુનિવર્સિટી ઓનલાઈન વર્ગો લઈ શિક્ષણ કાર્ય પૂરૂ કર્યુ છે. તેમજ પરીક્ષાઓ પણ SOP ના નિયમનું પાલન કરી સફળતાપૂર્વક આયોજન કર્યુ છે.

આ કાર્યક્રમમાં ઈ.ચા.કુલસચિવશ્રી, એ.વી.ધડુક, સેનેટ અને સિન્ડિકેટના સભ્યો, વિભાગના વડાશ્રીઓ, કોલેજના આચાર્યશ્રીઓ, અધ્યાપકો અને વિદ્યાર્થીઓ હાજર રહ્યા હતા.

નર્મદ જયંતીના ઉપલક્ષ્યમાં ઈ.ચા.કુલપતિશ્રી ડૉ. હેમાલીબેન એ. દેસાઈ, ઈ.ચા.કુલસચિવશ્રી એ.વી.ધડુક અને યુનિવર્સિટીના સેનેટ અને સિન્ડિકેટ સભ્યો, અધ્યાપકો અને વિદ્યાર્થીઓએ યુનિવર્સિટી પરિસરમાં નર્મદ પ્રતિમાને પૂષ્પાંજલિ અર્પણ કરી હતી.

વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટી
सत्यम् ज्ञानम् अनन्तम्

Shri Acharya Devvrat

Shri Acharya Devvrat

Shri Acharya Devvrat

VNSGU

VNSGU

VNSGU

52
ANNUAL

Shri Acharya Devvrat

RESERVED

સાહિત્ય પ્રદર્શન : રાષ્ટ્રપિતા મહાત્મા ગાંધી "એ.પી.એસ. લીડરશીપ મીટ" મૂલ્ય આધારીત શિક્ષણની વાત મુકતાં પ્રો.પોરીયા"

અમેરીકન ફીઝીકલ સોસાયટીની દ્વિતીય વાર્ષિક લીડરશીપ મીટમાં વિશેષ આમત્રંણથી ઉપસ્થિત રહેલા ભૌતિકશાસ્ત્ર વિભાગના અધ્યક્ષ અને યુનિવર્સિટીના આઈ.કયુ.એસ.સેલના ડાયરેકટર પ્રો. કિશોર પોરિયા ભારતીય સમય અનુસાર સતત બે દિવસથી રાત્રીના દસથી સવારના ત્રણ સુધી સક્રિય રીતે ભાગ લીધો હતો. ભૌતિકશાસ્ત્ર વિષયના વિકાસમાં અમેરિકાનો ફાળો, હાલની સ્થિતિમાં ઉભા થયેલા સંખ્યા ઘટાડા અને વહીવટી મુશ્કેલીઓ સહિતના અનેક પ્રશ્નોનો ગહનતાથી ચર્ચા કરવામાં આવી હતી. એ.પી.એસ.ના સીઈઓ જોનાથન બેગર અને પ્રમુખ સીવરસ્ટર જેમ્સ ગેટસ દ્વારા તમામનું ઉમળકાભેર સ્વાગત કરવામાં આવ્યું હતું. હાલની ભંયકર આર્થિક કટોકટી ભૌગોલિક પરિસ્થિતિ અને કોવિડને પરિણામે થયેલી પરીસ્થિતિમાં બિનસંક્રમિત રીતે વિષયમાં કરવાનાં થતા જરૂરી બદલાવ, સમયનો બચાવ, માત્ર શૈક્ષણિક કાર્ય સાથે જ સંકળાયેલ અધ્યાપકો અને સંશોધનાત્મક અભિગમ અને દ્રષ્ટિ ધરાવતાં આધ્યાપકોની યોગ્યતાનાં મૂલ્યાંકનની કામગીરી, વહીવટી અને વિભાગીય કાર્ય અને કર્મચારીઓની એકસૂત્રતા અને ફરીથી પૂર્વવત માહોલ વધુ સુદ્રઢતાથી કેવી રીતે પરિચાલત થઈ શકે માટે મનોમંથન થયું હતું. વ્યકિતગત કામગીરી અને લીડરશીપ દ્વારા સક્રિય ફેરફારો તત્કાળ શકય છે. વ્યકિતગત અનુભવોથી વિષયની ગહનતા અને ક્રિયાશીલતા માટે કાર્ય કરનાર અધ્યાપકો દ્વારા સંસ્થાના વિકાસ ઉપરાંત સંસ્થાનું સમાજ પ્રત્યેનાં દાયીત્વ માટે અધ્યાપકો હરણફાળો આપી શકે. તે અંગે ઓરીયન ખોવીસ, બ્રેઈન નોર્ડ, જેસિકા ઈકવાલ, લાન્સ કુવર, ગીતા કવાન, બ્રેઈન સુવ, દ્વારા મુદ્દાસર ચર્ચા કરવામાં આવી હતી. ત્યારબાદ ઈનામ સમારંભમાં ગોડર્ન બાપનપ વીલીયમ એમ. જેકસન, જુલીયસ એગર અને વેદીકા ખેમાનીનું સન્માન કરવામાં આવ્યું હતું. આ ઈનામો તેઓનું વિષયમાં સંશોધનાત્મક પ્રદાન, પ્રભાવી વ્યાખ્યાનો, એન્ટરપ્રયોનીયરશીપ અને વિષયપ્રસાર તથા પ્રારંભિક શોધ માટે આપવામાં આવે છે.

ભૌતિકશાસ્ત્ર એ ક્રિયાન્વતીતા, બહુમુખીય અને આંતરમુખી આકાંક્ષાઓનો અભ્યાસ છે અને પરીણામે તે વિજ્ઞાનનાં હાર્દમાં છે. વધતા જતાં ખર્ચાઓ અને સળતાથી પ્રાપ્ત માહિતી ભંડારોમાં આપણો વિષયને વધુ રોચક અને સુદઢ કેવી રીતે કરી શકીએ? કારણ કે વિદ્યાર્થીને ઓટોમેશન કે એનીમેશનથી રસ લેતો કરી શકાય પરંતુ તેમનામાં જ્ઞાનની ઉત્કંઠા કે પ્રશ્નોનાં સમાધાનો અધ્યાપક દ્વારા જ થઈ શકે. આ માટે C.A.R.E. એપ્રોચથી ભૌતિકશાસ્ત્ર ખુબ જ વિકસીત થઈ શકશે. જેમાં C–કોમ્યુનીટી, કલામેઈટ, કોલોબ્રેશન, A–અવરનેશ, એડમીનીસ્ટ્રેશન, એલ્યુમીની, એપ્રિશીયેશન, R–રીકરુટમેન્ટ રીચર્સ, E–એન્ટ્રોનપેરશીપ, એનટયુએઝીમક.

આ માટે અધ્યાપકો દ્વારા શીખવતાં વિષયોની સતત ફેરબદલ કરવી જોઈએ, સીનીયર અધ્યાપકોએ નીચેના વર્ગોમાં અને અધ્યાપક સહાયકોએ વધુ મહેનત કરી ઉપરનાં વર્ગોમાં શિક્ષણ કાર્ય કરવું જોઈએ. ઓનલાઈન શિક્ષણમાં ચેટ બોકસનો ઉપયોગ પ્રશ્નોત્તરી માટે થાય અને ઓનલાઈન પરીક્ષા લેવાય

તો વિદ્યાર્થી ખરેખર નિષ્ઠાપૂર્વક અને છેતર્યા વગર પરીક્ષા તો સાચુ મુલ્યાંકન મળે.

ભૌતિકશાસ્ત્ર એ કુદરતનો અભ્યાસ કરતું શાસ્ત્ર છે. એક અધ્યાપક સહાયક દ્વારા જણાવાયું કે, કુદરતમાં બનતી ઘટનાનો સુક્ષ્માતિસુક્ષ્મ અભ્યાસથી ટેકનોલોજીની નવી ક્ષિતિજો વિસ્તરી છે. જે માનવજાતને સહાયક બની પરંતુ તેની સાથે અકુદરતી આવિષ્કારો જેવા કે લશ્કરી આ યુધ્ધો, ન્યુકલીયર બોમ્બ, પર્યાવરણને નુકશાન અને બાયોલોજીક વેપન્સ સમાજ માટે ઘાતક છે અને હું દુ:ખ અનુભવુ છું. અમેરિકામાં રંગભેદ અને જાતિભેદ અંગે ભૌતિકશાસ્ત્ર વિષયમાં ઉદ્ભવતી વિટંબણા સ્નાતક વિદ્યાર્થીનીએ જણાવ્યું હતું કે તમારી પાસે જ્ઞાન હોય તો આ બાબત ક્ષુલ્લક છે અને આ વિષયમાં કયાંય કશાય બંધનકર્તા નથી.

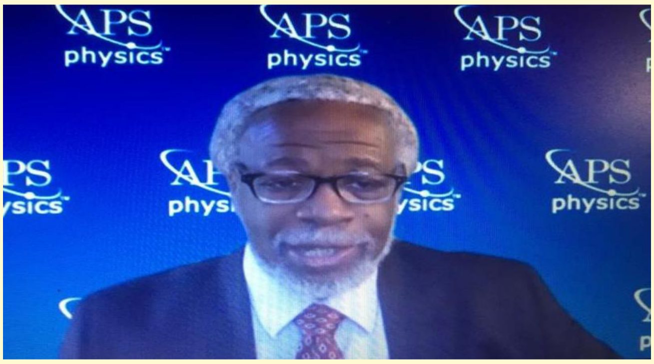

ભૌતિકશાસ્ત્ર દ્વારા આપણે નેનો અને પીકો પાર્ટીકલ સુધી પહોચ્યા છીએ. અવકાશમાં લટાર મારતાં થયા છતાં લોકો સમાજમાં ખોટી ભ્રમણા ફેલાવે છે છતાં સાચી વાત આપણે સમાજ સુધી લઈ જઈ શકયા નથી. આપણે વિશ્વસનીય રીતે સમાજને ગ્રાહય બાબતો વૈજ્ઞાનીક ઢબથી શીખવવી જોઈએ. આપણે એવા સમાજમાં રહીએ છીએ કે જયાં હજુ મોટા પ્રમાણમાં નકારાત્મકતા, અસ્પષ્ટતાઓ અને વિજ્ઞાન પ્રત્યેની અંધશ્રધા ધરાવતાં લોકો છે. આ માટે માત્ર વિદ્યાર્થી, અધ્યાપકને બદલે પોલીસી ઘડનાર અને તેનો અમલ કરાવનાર લોકો સાથે રહી સમાજ નિર્માણ માટે વિજ્ઞાનની શકિતનો ખ્યાલ વ્યાપ્ત કરવો પડશે. ભૌતિક વિજ્ઞાનના નવા નવા આવિષ્કારોથી માઈક્રો–નેનો પ્લાસ્ટીક પાર્ટીકલથી સમુદ્રને થયું નુકશાન, પાર્ટીકલ સ્કેટરીંગ કે કપોન્ટમ ફીલ્ડ થીયરી અને ગોડ પાર્ટીકલથી વિશ્વને સમજીને લોકોને સમજાવવું પડશે. કાર્બનીક ઈલેકટ્રોનીકસ, ઉચ્ચ તાપમાને સુપર કન્ડકટીંગ મટીરીયલ્સ મેળવવા તથા સીસીડી આધારિત થર્મલ રીકટેલ્ટસ ઈમેજીઝ મેળવી, ખૂબ ઠંડા અને ખૂબ ગરમ તાપમાને કોમ્પ્યુટરો કાર્યકત કરવા ઉપરાંત તત્વની નવી અવસ્થાઓનું વિજ્ઞાન વિકસાવવું પડશે. આ પેનલમાં અમેરિકાના પૂર્વ પ્રમુખ કલીન્ટન વિજ્ઞાન અને ટેકનોલોજીના માર્ગદર્શક પ્રો. નીઅલ લાને પણ લીધી હતી. હાલ વિશ્વના માનવસર્જીત અને કુદરત સર્જીત મહામારી ત્રસ્ત છે. આથી જે રીતે માત્ર નવ મહીનાના ટૂંકાગાળામાં વિશ્વને કોરોનાની રસી મળી તેમ કાર્બન ક્રેડીટને બદલે કાર્બન ડિવિડન્ડ પ્રદ વ્યસ્થા વિચારવાનો સમય પાકી ગયો છે. અમેરિકા હંમેશા મુલ્યનિષ્ઠ વિજ્ઞાનનો વિકાસ કરતો રહ્યો છે અને ચીન આ વિજ્ઞાનને બેહદ રીતે દુરપયોગ કરતો રહ્યો છે અને પરિણામે માણસ અને મશીન વચ્ચે સ્પર્ધા થાય છે. જેમાં "માનવમુલ્ય" આવશ્યક છે. આથી આપણે વિજ્ઞાન દ્વારા, ઉપર ઉઠી "માનવતા" તરફ પ્રયાણ કરવાનું છે. હોલ વોક સેશનમાં પ્રો. પોરીયાએ જણાવ્યું હતું કે, ભારતના અર્વાચીન અને પ્રાચીન વિજ્ઞાન વિકાસમાં "મુલ્યનિષ્ઠ શિક્ષણ" ને મહત્વ રહ્યું છે. એ પરિણામે જ વિશ્વને શ્રેષ્ઠ મુલ્યનિષ્ઠ વૈજ્ઞાનિકો–માનવશકિત ભારતે આપ્યા છે. અને હાલના શિક્ષણમાં પણ તેમનો સમાવેશ થયો છે.

પત્રકારત્વ વિભાગના વિદ્યાર્થીઓ માટે BBC અને વિકિપીડિયા દ્વારા હેકથોન પ્રોજેકટનું આયોજન અને પ્રમાણપત્ર વિતરણ

વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટીના ડિપાર્ટમેન્ટ ઓફ જર્નાલિઝમ અને માસ કમ્યુનીકેશનમાં BBC–વિકિપીડિયા હેકથોન પ્રોજેકટમાં ભાગ લેનાર વિભાગના વિદ્યાર્થીઓ માટે તા.૨૪/૨/૨૦૨૧ના રોજ સર્ટીફીકેટ વિતરણ કાર્યક્રમ યોજાયો હતો. આ કાર્યક્રમમાં મુખ્ય મહેમાન તરીકે ઈ.ચા.કુલપતિશ્રી ડૉ. હેમાલીબેન એ. દેસાઇ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા.

ડૉ. હેમાલીબેન એ. દેસાઇએ પોતાના પ્રાસંગિક પ્રવચનમાં વિદ્યાર્થીઓને શુભકામના આપી હતી અને પત્રકાર તરીકે હકારાત્મક અભિગમ અપનાવીને આગળ વધવા માટે પ્રોત્સાહિત કર્યા હતા. આ કાર્યક્રમમાં સ્વાગત પ્રવચન વિભાગના વડા ડૉ. કલ્પના રાવ અને આભારવિધિ અધ્યાપક ડૉ. કિરણ મિત્તલે કરી હતી. કુલ ૨૫ વિદ્યાર્થીઓને પ્રમાણપત્ર વિતરણ કરવામાં આવ્યું અને વિભાગને પ્રશસ્તિપત્ર એનાયત થયા હતા.

વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટીના ડિપાર્ટમેન્ટ ઓફ જર્નાલિઝમ અને માસ કમ્યુનીકેશનના ૨૫ વિદ્યાર્થીઓ માટે BBC ગુજરાતી અને વિકિપીડિયા દ્વારા હેકથોન પ્રોજેકટનું આયોજન ફેબ્રુઆરી મહિનામાં કરવામાં આવ્યું હતું. ગુજરાત રાજયમાંથી બે યુનિવર્સિટીના પત્રકારત્વ વિભાગોની પસંદગી થઈ હતી જેમા વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટીના પત્રકારત્વ વિભાગનો સમાવેશ કરવામાં આવ્યો હતો. આ હેકથોનનો સમાપન તા.૧૮/૦૨/૨૦૨૧ના રોજ થયું હતું. આ હેકથોન પ્રોજેકટમાં ૪ તબક્કા હતા. વિદ્યાર્થીઓ દ્વારા

વિકિપીડિયા અંગ્રેજીમાંથી લેખોનો ગુજરાતીમાં અનુવાદ, રાષ્ટ્રીય કક્ષાના ખેલાડીઓ સાથે વિદ્યાર્થીઓની પત્રકાર પરિષદ, હેકિંગ વિશે ઓનલાઈન તાલીમ વર્ગ અને તા. ૧૮/૦૨/૨૦૨૧ના રોજ વિકિપીડિયા એન્ટ્રીને સંપાદન કરી અપલોડ કરવું.

બીબીસી ઇન્ડિયન સ્પોર્ટ્સવુમન ઓફ ધ યર પ્રોજેક્ટ' હેઠળ ૫૦ મહિલા ખેલાડીઓ વિશે માહિતી વિકિપીડિયામાં ઉમેરવામાં આવી હતી. લોકો સામાન્ય રીતે માહિતી મેળવવા માટે વિકિપીડિયાનો ઉપયોગ કરે છે. પરંતુ મહિલાઓ અને પુરુષો અંગેની માહિતીમાં અહીં અસંતુલન જોવા મળે છે. વિકિપીડિયા પરના લેખોમાં હાલ મહિલાઓ પરના લેખ માત્ર ૧૭ ટકા જ છે. જેથી બીબીસીએ ભારતમાં રમત–ગમતના ક્ષેત્રનાં મહિલાઓ વિશેની માહિતી ઉમેરવા માટે વિકિપીડિયા સાથે આ પ્રોજેક્ટ કર્યુ હતું.

પહેલા તબક્કામાં વિદ્યાર્થીઓએ ગુજરાતી ભાષામાં લેખનો અનુવાદ કરી આખું પાનું તૈયાર કર્યુ હતું. તા.૦૮/૦૨/૨૦૨૧ના રોજ વિદ્યાર્થીઓએ ઓનલાઈન પત્રકાર પરિષદમાં ભાગ લીધો હતો જેમા પ્રખ્યાત રમતવીર સુશ્રી પી.ટી. ઉષા અને ભારતીય પેરા બેડમિંટન ખેલાડી સુશ્રી માનસી જોશી હાજર હતા અને વિદ્યાર્થીઓના પ્રશ્નોના જવાબ આપ્યા હતા. આ પત્રકાર પરિષદનું સંકલન સુશ્રી રૂપા ઝાં (BBC Head of Indian Languages) અને સુશ્રી ઈંદુ શેખર સિન્હાએ (BBC Head of Business Development) કર્યુ હતું.

તા. ૧૦/૦૨/૨૦૨૧ના રોજ વિકિપીડિયાના નિષ્ણાતોએ વિદ્યાર્થીઓને ઓનલાઈન તાલીમ આપી હતી. જેમા વિકિપીડિયા માંથી શ્રી સતદીપ ગીલ (Editor, Punjabi Wikipedia), શ્રી કિષ્ણા ચેતન્ય વેલંગા (Editor, Gujarat અને Telugu Wikipedia) અને શ્રી અનંત રાઠોડ (Editor Gujarat અને English Wikipedia) હતા. વિદ્યાર્થીઓને વિકિપીડિયા લેખોનું સંપાદનની કાર્યપદ્ધતિ, લેખો લખવાની શૈલી વગેરેનું માર્ગદર્શન આપવામાં આપ્યું હતું.

તા. ૧૮/૦૨/૨૦૨૧ના રોજ આ પ્રોજેક્ટનો છેલ્લો તબક્કો હતો. જેમાં વિભાગના વિદ્યાર્થીઓએ પોતે અનુવાદ કરેલા લેખોને સુધારીને વિકિપીડિયા ઉપર અપલોડ કર્યા હતાં. પ્રોજેક્ટનું સંચાલન BBC ના વરિષ્ઠ પત્રકાર સુશ્રી દિવ્યા આર્યા અને પત્રકારત્વ વિભાગના વડા ડૉ. કલ્પનાબેન રાવે કર્યુ હતું. તાલીમાર્થી વિદ્યાર્થીઓને સર્ટીફીકેટ અને વિભાગને પ્રશંસાપત્ર આપવામાં આવશે.

કોલેજ ન્યૂઝ

જીવન જયોત ટ્રસ્ટ, અમરોલી સંચાલિત જે.ઝેડ.શાહ આર્ટ્સ એન્ડ એચ.પી.દેસાઈ કોમર્સ કોલેજ, અમરોલી.

કારકિંદી માર્ગદર્શન: નેશનલ વેબિનાર

જીવન જયોત ટ્રસ્ટ, અમરોલી સંચાલિત જે.ઝેડ.શાહ આર્ટ્સ એન્ડ એચ.પી.દેસાઈ કોમર્સ કોલેજ, અમરોલી દ્વારા તા. ૨૮ ડિસેમ્બર, ૨૦૨૦ સોમવારના રોજ "સરકારી નોકરી માટે કારકિંદી માર્ગદર્શન" વિષય અંતર્ગત Zoom, Microsoft Team, You Tube, Twitter, Face Book અને Instagram ના માધ્યમથી ૪૦મા નેશનલ વેબિનારનું આયોજન થયું હતું. આચાર્યશ્રી ડૉ.કે.એન.ચાવડાએ શુભેચ્છા પાઠવી આશીર્વચનો આપ્યા હતા. જેમાં એક્ઝામશાલા એજ્યુકેશનના સ્થાપક શ્રી હરેન્દ્રસિંહ તોમર મુખ્ય વકતા તરીકે ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. તેમજ સમગ્ર ભારતના વિવિધ રાજ્યોમાંથી ૩૪૬૪ જેટલા લોકોને સંબોધિત કર્યા હતા. શ્રી હરેન્દ્રસિંહ તોમરે જણાવ્યું કે, આજના હરીફાઈયુક્ત સમયમાં સરકારી નોકરી પ્રત્યે વિદ્યાર્થીઓ વધુ સભાન બન્યા છે. તેમણે UPSC, GPSC, BANK, RAILWAY અને અન્ય સરકારી નોકરી માટેની પરીક્ષા વિશે માર્ગદર્શન આપ્યું હતું. દરેક પ્રકારની સરકારી નોકરીમાં ગણિત, તર્કશાસ્ત્ર, અંગ્રેજી અને સામાન્ય જ્ઞાનનું ખૂબ જ મહત્વ છે. વિદ્યાર્થી શરૂઆતના તબક્કામાં જ આવા વિષયો પર વધુ ધ્યાન કેન્દ્રિત કરે તો આવી કોઈ પણ પરીક્ષા સરળતાથી પાસ કરી શકે છે. છેલ્લા પાંચ વર્ષથી કેન્દ્ર સરકાર, રાજ્ય સરકાર, અર્ધસરકારી તેમજ રાષ્ટ્રીયકૃત બેન્કોમાં ખૂબ જ મોટા પ્રમાણમાં ભરતીઓ થઈ રહી છે. આવનાર સમયમાં પણ મોટા પ્રમાણમાં સરકારી ભરતીઓ ચાલુ જ રહેનાર છે. વિદ્યાર્થી દરરોજ માત્ર બે કલાકના નિયમિત વાંચનથી સરકારી નોકરીના ઉચ્ચ હોદ્દો પ્રાપ્ત કરી શકે છે.

દર્શક મિત્રોના વિવિધ પ્રશ્નોના જવાબ વિવિધ મહાપુરુષોના ઉદાહરણો આપી શ્રી હરેન્દ્રસિંહ તોમરે આપ્યા હતા. મુખ્ય વકતાશ્રીનો પરિચય ડૉ. ચિરાગ સિધ્ધપુરીયા તેમજ આભારવિધિ ડૉ. મયંક સોઢાએ કરી હતી. વેબિનારનું સંચાલન જીવન જયોત ટ્રસ્ટ, અમરોલીના પ્રમુખશ્રી ભરતભાઈ શાહ, આચાર્યશ્રી ડૉ.કે.એન. ચાવડા, ડૉ. સેજલ દેસાઈ, ડૉ. ચિરાગ સિધ્ધપુરીયા, પ્રા. મૌનિક શાહ તેમજ શૈક્ષણિક અને વહીવટી કર્મચારીઓ દ્વારા સફળતાપૂર્વક કરવામાં આવ્યું હતું.

સરકારની વિવિધ યોજનાઓ વિશે માર્ગદર્શન: નેશનલ વેબિનાર

જીવન જયોત ટ્રસ્ટ, અમરોલી સંચાલિત જે.ઝેડ.શાહ આર્ટ્સ એન્ડ એચ.પી.દેસાઈ કોમર્સ કોલેજ, અમરોલી દ્વારા તા. ૦૪, જાન્યુઆરી ૨૦૨૧ સોમવારના રોજ "વિદ્યાર્થીઓ માટેની સરકારની વિવિધ યોજના વિશે માર્ગદર્શન" વિષય અંતર્ગત Zoom, Microsoft Team, You Tube, Twitter, Face Book અને Instagram ના માધ્યમથી ૪૧માં નેશનલ વેબીનારનું આયોજન થયું હતું. આચાર્યશ્રી ડૉ.કે.એન.ચાવડાએ શુભેચ્છા પાઠવી આશીર્વચનો આપ્યા હતા. જેમાં બી.જે.પી. દક્ષિણ ગુજરાત બક્ષિપંચ મોરચાના ઈન્ચાર્જ શ્રી કેયુરભાઈ ચપટવાલા મુખ્ય વકતા તરીકે ઉપસ્થિત રહયા હતા તેમજ ભારતના વિવિધ રાજયોમાંથી ૪૨૩૬ જેટલા લોકોને સંબોધિત કર્યા હતા. શ્રી કેયુરભાઈ ચપટવાલાએ જણાવ્યું કે, રાજય સરકાર અને કેન્દ્ર સરકાર શિક્ષણ, આરોગ્ય, સામાજીક યોજનાઓ દ્વારા આર્થિક રીતે મદદ કરવા સંવેદનશીલ રહી છે. જ્ઞાતિ, જાતિ, ધર્મ કે આવકના અભાવે કોઈ વ્યકિત શિક્ષણથી વંચિત ન રહે તે માટે સરકાર દ્વારા વિવિધ યોજનાઓ ચલાવવામાં આવે છે. જેમાં મુખ્યમંત્રી યુવા સ્વાવલંબન યોજના, વિવિધ શિષ્યવૃત્તિ યોજના, વિદેશ ઉચ્ચ અભ્યાસ માટેની યોજના, માં અમૃતમ યોજના, સર્વ શિક્ષા અભિયાન, વિવિધ વીમા યોજનાઓ જેવી મહત્વની યોજનાઓની વિસ્તારપૂર્વક ચર્ચા કરી તેનો મહત્તમ લાભ વિદ્યાર્થીઓ સુધી કઈ રીતે પહોંચી શકે તેની વિગતવાર માહિતી આપી હતી.

તેમણે દર્શક મિત્રોના પ્રશ્નોના પણ ખૂબ જ સરસ જવાબો ઉદાહરણ સહિત આપ્યા હતા. મુખ્ય વકતાશ્રીનો પરિચય ડૉ. ચિરાગ સિધ્ધપુરીયા તેમજ આભારવિધિ ડૉ. મયંક સોઢાએ કરી હતી. વેબીનારનું સંચાલન જીવન જયોત ટ્રસ્ટ, અમરોલીના પ્રમુખશ્રી ભરતભાઈ શાહ, આચાર્યશ્રી ડૉ.કે.એન.ચાવડા, ડૉ. સેજલ દેસાઈ, ડૉ. ચિરાગ સિધ્ધપુરીયા, ડૉ. મેહુલ શાહ, પ્રા. મૌનિક શાહ તેમજ શૈક્ષણિક અને વહીવટી કર્મચારીઓ દ્વારા સફળતાપૂર્વક કરવામાં આવ્યું હતું.

સ્વચ્છ સર્વેક્ષણ – ૨૦૨૧ : નેશનલ વેબિનાર

જીવન જયોત ટ્રસ્ટ, અમરોલી સંચાલિત જે.ઝેડ.શાહ આર્ટ્સ એન્ડ એચ.પી.દેસાઈ કોમર્સ કોલેજ, પ્રો.વી.બી.શાહ ઈન્સ્ટીટયુટ ઓફ મેનેજમેન્ટ, આર.વી.પટેલ કોલેજ ઓફ કોમ્પ્યુટર એપ્લીકેશન એન્ડ સાયન્સ તથા અમરોલી દ્વારા તા. ૦૮, જાન્યુઆરી ૨૦૨૧ શુક્રવારના રોજ "સ્વચ્છ સર્વેક્ષણ–૨૦૨૧" વિષય અંતર્ગત Zoom, Microsoft Team, You Tube, Twitter, Face Book અને Instagram ના માધ્યમથી ૪૨માં નેશનલ વેબીનારનું આયોજન થયું હતું. અમરોલી કોલેજના આચાર્યશ્રી ડૉ.કે.એન.ચાવડાએ શુભેચ્છા પાઠવી આશીર્વચનો આપ્યા હતા. જેમાં મુખ્ય વકતા તરીકે સુરત મહાનગર પાલિકાના પૂર્વ મેયરશ્રી ડૉ.જગદીશ પટેલ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. તેમજ સમગ્ર ભારતના વિવિધ રાજ્યોમાંથી ૩૮૦૮ જેટલા લોકોને સંબોધિત કર્યા હતા. શ્રી ડૉ. જગદીશ પટેલે જણાવ્યું કે, સુરતનો સ્વચ્છતામાં બીજો નંબર શહેરીજનો અને સુરત મહાનગર પાલિકાની સમગ્ર ટીમની મહેનતને લીધે મળ્યો છે. એક સમયે ભારતમાં ગંદકીનું પ્રમાણ ખૂબ જ વધુ હતું. પરંતુ સુરત મહાનગર પાલિકાએ ખૂબ જ જહેમત ઉઠાવી

સ્વચ્છતામાં સુરતનું નામ રોશન કર્યુ છે. આ વર્ષે ફરીથી સ્વચ્છતા સર્વેક્ષણ–૨૦૨૧માં સુરત પ્રથમ ક્રમ હાંસલ કરી શકે છે. શહેરમાંથી કચરાનું પ્રમાણ તો ઓછું થાય છે પરંતુ સુકો અને ભીનો કચરો અલગ કરવામાં અને પ્રતિભાવો આપવામાં શહેરીજનો નિરસતા દાખવે છે. ૧, જાન્યુઆરી ૨૦૨૧ થી ૩૧, માર્ચ ૨૦૨૧ સુધી શહેરીજનો પોતાના પ્રતિભાવો આપી શકે છે. શહેરીજનોના પ્રતિભાવોમાં સ્વચ્છતા રેંકિંગ–૨૦૨૧ માં ૬૦૦૦ માર્કસમાંથી શહેરીજનોના પ્રતિભાવોના ૧૮૦૦ જેટલા માર્કસ છે. તો તમામ શહેરીજનો ઓનલાઈન તેના પ્રતિભાવો આપી સ્વચ્છતામાં અગ્રસર બનાવવા સહભાગી થવું જોઈએ. દરેક શહેરીજનો સુરત મહાનગર પાલિકાની વેબસાઈટ પરથી, સુરત મહાનગર પાલિકાની મોબાઈલ એપ્લીકેશનથી, www.mygov.in વેબસાઈટ પરથી સ્વચ્છતા સર્વેક્ષણ–૨૦૨૧ માં પોતાના પ્રતિભાવો આપી શકશે. તેમજ www.swachhsurvekshan2020.org/CitizenFeedback ઉપર પણ પોતાનો પ્રતિભાવ આપી શકશે.

તેમણે દર્શક મિત્રોના પ્રશ્નોના પણ ખૂબ જ સરસ જવાબો ઉદાહરણ સહિત આપ્યા હતા. મુખ્ય વકતાશ્રીનો પરિચય ઈનચાર્જ પ્રિ.ડૉ.મુકેશ ગોયાણી, તેમજ આભારવિધિ ડૉ.જૈમિન શુકલાએ કરી હતી. વેબીનારનું સંચાલન જીવન જ્યોત ટ્રસ્ટ, અમરોલીના પ્રમુખશ્રી ભરતભાઈ શાહ, આચાર્યશ્રી ડૉ.કે.એન. ચાવડા, ડૉ.સેજલ દેસાઈ, ઈનચાર્જ પ્રિ.ડૉ.મુકેશ ગોયાણી, ડૉ. ચિરાગ સિધ્ધપુરીયા, ડૉ.મેહુલ શાહ તેમજ શૈક્ષણિક અને વહીવટી કર્મચારીઓ દ્વારા સફળતાપૂર્વક કરવામાં આવ્યું હતું.

ધ્વજવંદન કાર્યક્રમ

જીવન જ્યોત ટ્રસ્ટ, અમરોલી સંચાલિત જે.ઝેડ.શાહ આર્ટ્સ એન્ડ એચ.પી.દેસાઈ કોમર્સ કોલેજ, અમરોલીના કોલેજ કેમ્પસ પર ૨૬મી જાન્યુઆરી, ૨૦૨૧ને મંગળવાર રોજ ૭૨મો પ્રજાસત્તાક દિન નિમિત્તે સવારે ૦૮:૪૫ કલાકે આચાર્યશ્રી ડૉ.કે.એન.ચાવડાના નેતૃત્વ હેઠળ એસોસિએટ પ્રોફેસર સોનલ વી. કુલકર્ણીના વરદ્ હસ્તે ધ્વજવંદન થયુ હતું. ધ્વજવંદન કાર્યક્રમને ઓનલાઈન રાખી Microsoft Team, Zoom, You Tube, Twitter, Face Book અને Instagram ના માધ્યમથી વિદ્યાર્થી અને લોકો સુધી લાઈવ પ્રસારણ કરી પ્રજાસત્તાક દિનની ઉજવણી કરવામાં આવી હતી. જેમાં ખૂબ મોટી સંખ્યામાં લોકોએ આ લાઈવ કાર્યક્રમમાં ઓનલાઈન જોડાઈ ધ્વજવંદન કાર્યક્રમ સફળ બનાવ્યો હતો. ટ્રસ્ટના પ્રમુખશ્રી ભરતભાઈ શાહ, મંત્રીશ્રી અશ્વિનભાઈ પટેલ અને શ્રી અનુજભાઈ શાહ, ટ્રસ્ટીશ્રી ગૌરાંગભાઈ દેસાઈ, સભ્યશ્રી ડૉ. મહેન્દ્રકુમાર સોલંકી, ૬ ગુજરાત ગર્લ્સ Bn NCC ના ઓફીસરશ્રી સુબેદાર દેવેન્દ્ર સિંહ અને સુબેદાર રાજ કુમાર સિંહ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. એસ.પી.બી.સ્કુલના ઈન આચાર્ય શ્રીમતી સેજલબેન પટેલ, માનદ્ નિયામક શ્રીમતી કલ્પનાબેન દેસાઈ, બી.સી.એ.કોલેજના વિભાગીય વડાશ્રી ડૉ. જૈમિન શુકલા, બી.બી.એ. કોલેજના વિભાગીય વડા ડૉ. સ્વાતી મહેતા, તેમજ સમગ્ર સંકુલના મર્યાદિત શૈક્ષણિક, વહીવટી કર્મચારીઓ સાથે ધ્વજવંદન કાર્યક્રમ કરવામાં આવ્યું હતું.

આ પ્રસંગે NCC CTO ભારતી કે.વાઘ, અને એન.સી.સી.ના વિદ્યાર્થીઓની રિર્પોટર કમાન્ડર ઝરણા પિપલીયા, અને પરેડ કમાન્ડર માનસી લિંબાયતની રાહબરી હેઠળ એન.સી.સી.ના વિદ્યાર્થીઓએ ભવ્ય પરેડ કરી હતી. જીવન જ્યોત ટ્રસ્ટ, અમરોલીના પ્રમુખશ્રી ભરતભાઈ શાહએ રાષ્ટ્રના વિકાસમાં યુવા શકિતની ભૂમિકા વિશે, દેશને આઝાદી અપાવનાર વીર સપૂતોને યાદ કર્યા હતા. વયમર્યાદાને કારણે નિવૃત થનારા અંગ્રેજી વિભાગના વડાશ્રી પ્રા.સોનલ વૈદ્ય કુલકર્ણીનું ટ્રસ્ટ અને કોલેજ પરિવાર દ્વારા બહુમાન કરવામાં આવ્યું હતું અને તેના પ્રત્યુત્તરમાં ભારતીય સંસ્કૃતિ, શિસ્ત પાલન, સ્ત્રીઓની ભૂમિકા, રાષ્ટ્ર ધ્વજનો ઈતિહાસ અંગે પ્રસંગોપાત વકતવ્ય આપ્યું હતું. એન.એસ.એસ.ની વિદ્યાર્થીની મિતાલી બરવલીયાએ મતદાનનું મહત્વ સમજાવી ભારતીય લોકશાહીમાં મતદાન જાગૃતિ અંગેની શપથ વિધિ કરાવી હતી.

આ કાર્યક્રમમાં બી.એ., બી.કોમ., બી.સી.એ., એમ.એ., એમ.કોમ., બી.સી.એ. કોલેજના તેમજ સમગ્ર સંકુલના શૈક્ષણિક, વહીવટી કર્મચારીઓ, ભૂતપૂર્વ વિદ્યાર્થીઓ વાલીઓ સહિત મર્યાદિત સમુદાયમાં વિદ્યાર્થીગણ હાજર રહ્યા હતા. કાર્યક્રમને અંતે આભારવિધી ડૉ.આર.એન.સદરીએ કરી હતી.

આ કાર્યક્રમને સફળ બનાવવા માટે આચાર્યશ્રી ડૉ.કે.એન.ચાવડાના માર્ગદર્શન હેઠળ એન.એસ.એસ. પ્રોગ્રામ ઓફિસર શ્રી પ્રો.ડૉ.આર.ડી.રાણા, પ્રા.સોનલ કુલકર્ણી, પ્રો.આર.ડી.ઝા, પ્રા.સી.યુ.નાયક તથા શૈક્ષણિક અને વહીવટી કર્મચારીગણે સુંદર સહકાર આપ્યો હતો.

ગૌરવ

સુરત એથ્લેટિકસ એસોસિએશનના નેજા હેઠળ સુરતના એથ્લેટિકસની ટીમ બરોડા ગઈ હતી. જેમાં જીવન જ્યોત ટ્રસ્ટ, અમરોલી સંચાલિત જે.ઝેડ.શાહ આર્ટ્સ એન્ડ એચ.પી.દેસાઈ કોમર્સ કોલેજ, અમરોલીમાં એફ.વાય.બી.એ. ના વિદ્યાર્થી પ્રકાશ ઠાકુરે ૪૦૦ મીટર દોડ ૫૨.૭ સેકન્ડમાં પૂર્ણ કરીને સિલ્વર મેડલ પ્રાપ્ત કર્યો હતો. જેથી તે ફેબ્રુઆરીમાં ગુવાહટીમાં આયોજીત રાષ્ટ્રીય સ્પર્ધામાં સિલેકટ થયો છે. પ્રકાશ ઠાકુરને જીવન જ્યોત ટ્રસ્ટ, આચાર્યશ્રી ડૉ. કે.એન.ચાવડા, શારિરીક શિક્ષણ વિભાગના એસોસિયેટ પ્રોફેસર ડૉ. રૂસ્તમ એન.

સદરી, તેમજ શૈક્ષણિક અને વહીવટી કર્મચારીઓ તરફથી ખૂબ ખૂબ અભિનંદન પાઠવ્યા હતા. પ્રકાશ ઠાકુરને ઈનામ વિતરણ કાર્યક્રમમાં મેમેન્ટોથી નવાજવામાં આવશે. તેમજ આ માસમાં ગુવાહટી (અમાસ) ખાતે આયોજીત રાષ્ટ્રીય સ્પર્ધામાં જવલંત સફળતા મળે એવી જીવન જ્યોત ટ્રસ્ટ અમરોલી અને અમરોલી કોલેજ પરિવારએ શુભેચ્છા પાઠવી હતી.

વનિતા વિશ્રામ વિમેન્સ કોલેજ ઓફ કોમર્સ, સુરત.

ડીજીટલ બુક રિવ્યુ

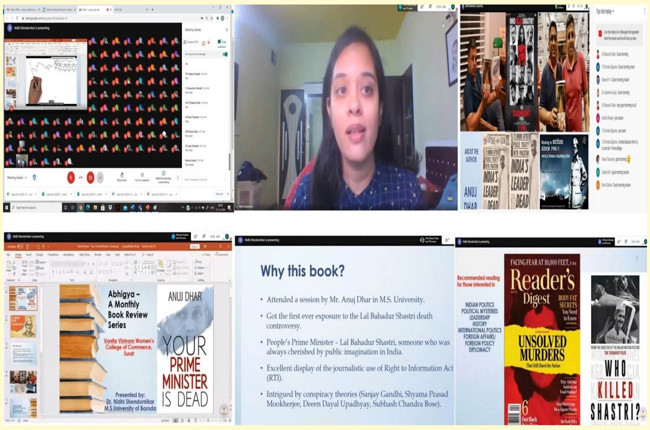

વનિતા વિશ્રામ સંચાલિત વનિતા વિશ્રામ વિમેન્સ કોલેજ ઓફ કોમર્સમાં સપ્તધારાના જ્ઞાન ધારા અંતર્ગત કોલેજી લાયબ્રેરી કમિટી દ્વારા આચાર્યા ડૉ. અભિલાષા અગ્રવાલના માર્ગદર્શન હેઠળ ગુગલ મીટ અને યુટ્યુબ લાઈવ સ્ટ્રીમીગના માધ્યમથી બુકરિવ્યુ સીરીઝ – 'અભિગ્યા' અંતર્ગત ૧૫માં ડીજીટલ બુકરિવ્યુ પ્રોગ્રામનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. આ કાર્યક્રમમાં એમ. એસ. યુનિવર્સિટી ઓફ બરોડાના ફેકલ્ટી ઓફ જર્નાલીઝમ એન્ડ કમ્યુનિકેશનના આસીસ્ટન્ટ પ્રોફેસર ડૉ. નિધિ શેંડુર્નીકરએ શ્રી અનુજ ધર લેખિત 'યોર પ્રાઈમ મીનીસ્ટર ઈઝ ડેડ' પુસ્તકની સમિક્ષા કરતા કોન્સ્પીરસી થીયરી આધારિત ભારતના બીજા વડાપ્રધાન લાલબહાદુર શાસ્ત્રીના મૃત્યુ વિષે ચર્ચા કરી હતી. ડૉ. નિધિ શેંડુર્નીકરએ આજના યુવાનોએ દેશના ઈતિહાસ અને રાજકારણ વિષે શા માટે માહિતગાર રહેવું એ અંગે પૃથક્કરણ કર્યુ હતુ. આ કાર્યક્રમમાં દેશના ૧૦ રાજ્યોથી કુલ ૨૦૩ જેટલા એકેડેમિશિયન્સ, પ્રોફેશનલ્સ અને વિદ્યાર્થીઓએ ઉત્સાહભેર ભાગ લીધો હતો.

કાર્યક્રમના અંતે આઈ.ક્યુ.એ.સી. કો–ઓર્ડીનેટર ડૉ. ક્રિષ્ના દેસાઈએ ડૉ. નિધિ શેંડુર્નીકરનો પુસ્તકની સમિક્ષા કરવા બદલ આભાર વ્યક્ત કર્યો હતો. આ સમગ્ર કાર્યક્રમનું સંચાલન લાઈબ્રેરી કમિટીના સેક્રેટરી ડૉ. નેહા રાવલે તથા ટેકનીકલ સ્ટાફ મિસ. ક્રિના દેસાઈ અને મિસ. ભૂમિ દેસાઈએ કર્યુ હતું.

સરકારી વિનયન અને વાણિજ્ય કોલેજ, ખેરગામ.

પ્રવાસી ભારતીય દિવસ : આંતરરાષ્ટ્રીય વેબિનાર

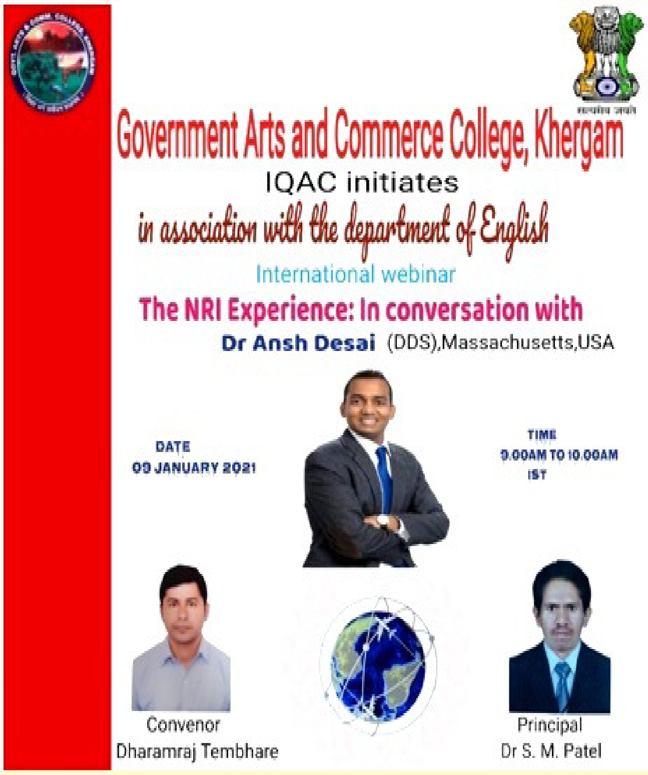

સરકારી વિનયન અને વાણિજ્ય કોલેજ, ખેરગામ ખાતે તા. ૦૯/૦૧/૨૦૨૧ના રોજ IQAC અને અંગ્રેજી વિભાગના સંયુકત ઉપક્રમે "પ્રવાસી ભારતીય દિવસ" વિષય સંદર્ભે આંતરરાષ્ટ્રીય વેબિનાર ગૂગલ મીટના માધ્યમથી યોજાયો. આચાર્યશ્રી ડૉ. એસ.એમ.પટેલના માર્ગદર્શન હેઠળ એક દિવસીય ઓનલાઈન આંતરરાષ્ટ્રીય વેબિનારનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. જે નિમિત્તે અમેરિકાની બોર્સ્ટન યુનિવર્સિટીમાંથી ગોલ્ડમેડલ સાથે ડેન્ટલ મેડીસીનની ડીગ્રી ધરાવતા મૂળ વતન વલસાડના અને હાલમાં અમેરિકા સ્થિત (USA)થી શ્રી ડૉ. અંશ દેસાઈ વકતા તરીકે ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. ડૉ. અંશ દેસાઈનું આચાર્યશ્રી ડૉ. એસ.એમ.પટેલે શાબ્દિક પરિચય આપી કોલેજ પરિવાર વતી એમને આવકાર્યા હતા. વિષય સંદર્ભે ડૉ. અંશ દેસાઈએ વિદ્યાર્થીઓને માર્ગદર્શન આપતા તેમના વકતવ્યમાં "ભારત અને અમેરિકાની શિક્ષણ વ્યવસ્થા, હોમ સ્કૂલીંગ સિસ્ટમ, વિદ્યાર્થીઓના શિક્ષણ માટે લોન વ્યવસ્થા, અમેરિકામાં અંગ્રેજી ભાષાનું મહત્વ, ભારત અને અમેરિકાની બેંકિંગ વ્યવસ્થા, અમેરિકામાં સિનિયર

સિટિઝન માટે સ્વાસ્થ્ય સુવિધા" આ બધી બાબતોને ધ્યાનમાં લઈ વિષયને સુસંગત વિસ્તૃત ચર્ચા થઈ હતી. ૯ જાન્યુઆરી, ૧૯૧૫ના રોજ મહાત્મા ગાંધીજી મુંબઈ બંદરે પરત આવ્યા હતા. તેમની યાદમાં ભારત સરકાર દ્વારા દર વર્ષે ૯ જાન્યુઆરીના રોજ "પ્રવાસી ભારતીય દિવસ"ની ઉજવણી કરવામાં આવે છે. આ નિમિતે આંતરરાષ્ટ્રીય વેબિનારનો ઉદ્દેશ રાષ્ટ્રપિતા ગાંધીજીના સ્વાતંત્ર્ય સંગ્રામમાં આપેલ યોગદાન અને તેમણે કરેલ રાષ્ટ્રસેવાની સુવાસ અંતરિયાળ વિસ્તારમાં આવેલી કોલેજના વિદ્યાર્થીઓ જાણે અને સમજે, તેમજ ચોકકસ કોઈ એક દેશની વર્તમાન પરિસ્થિતિથી માહિતગાર થાય તથા ત્યાંની શિક્ષણ, આરોગ્ય, બેંકિંગ વ્યવસ્થાને જાણે અને પોતાના જીવનમાં પ્રગતિ કરે એ હતો. વિદ્યાર્થીઓ, સ્ટાફગણ સહિત અન્ય કોલેજના અધ્યાપકો અને વિદ્યાર્થીઓએ ઉત્સાહથી આ આંતરરાષ્ટ્રીય વેબિનારનો લાભ લીધો. સમગ્ર કાર્યક્રમનું ઓનલાઈન સંચાલન NAAC/IQAC કો–ઓર્ડિનેટર અંગ્રેજી વિષયના પ્રા. ધર્મરાજભાઈ ઈ. ટૈંભરેએ કર્યુ હતું. NAACના આસિ. કો–ઓર્ડિનેટર તેમજ સાંસ્કૃતિક સમિતિ અને કોમર્સ વિભાગના અધ્યક્ષ પ્રા.જીગરકુમાર વી. પરમારે આભાર વ્યકત કર્યો હતો.

નેશનલ હ્યુમન ટ્રાફિકીંગ અવેરનેશ ડે : વેબિનાર

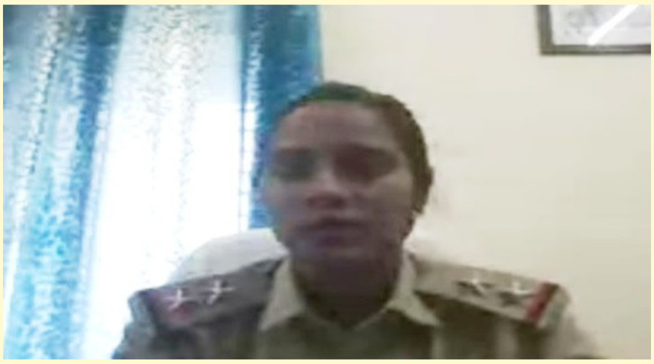

સરકારી વિનયન અને વાણિજય કોલેજ, ખેરગામ ખાતે તા. ૧૧/૦૧/૨૦૨૧ને સોમવારના રોજ IQAC અંતર્ગત અને કાઉન્સીલીગ સેલ અંતર્ગત આચાર્યશ્રી ડૉ. એસ.એમ.પટેલના અધ્યક્ષપણા હેઠળ "નેશનલ હ્યુમન ટ્રાફિકીગ અવેરનેશ ડે" જેમાં વકતા તરીકે કલરીયા આઉટપોસ્ટ દાભેલ, દમણ (U.T.) P.S.I. તરીકે ફરજ બજાવતા હિરલબેન નવીનચંદ્ર પટેલે ગુગલ મીટના માધ્યમથી વિષયના અનુસંધાને વ્યાખ્યાન આપતા જણાવ્યુ કે, "નેશનલ હ્યુમન ટ્રાફિકીગ" (માનવ તસ્કરી) શું છે ? તેના કારણો, તે કઈ રીતે ઉદ્દભવે છે તેમજ મહિલાઓ અને બાળકો સાથે કઈ રીતે ખોટો વ્યવહાર થાય છે. આ અપરાધ નિવારણ માટે તથા નિયંત્રણમાં લાવવાના ઉપાયો જણાવ્યા હતા. તેમજ કાયદાની જોગવાઈનો પરિચય આપી માનવ તસ્કરીનો ભોગ બનનાર વ્યકિતનાં પુનઃવસન માટેની કાર્યરત સંસ્થા અંગે વિસ્તૃત માહિતી આપી હતી. વિદ્યાર્થીઓ માટે આ વેબિનાર ખરેખર ઉપયોગી તેમજ રસપ્રદ રહ્યો. આ વેબિનારનો ઉદ્દેશ ભારતનાં ભાવિ નાગરિકો એવા વિદ્યાર્થીઓને આ બાબતની જાણકારી હોવી અતિ આવશ્યક છે. સમગ્ર કાર્યક્રમને સફળ બનાવવામાં પ્રા. જીગરભાઈ વી. પરમાર અને પ્રા. દિનાબેન પટેલે સફળ સંચાલન કર્યુ હતું. સંસ્થા પરિવાર વતી પ્રા. ડૉ. મિનાક્ષીબેન આર. પટેલે આભાર વ્યકત કર્યો હતો.

શ્રીરંગ શિક્ષણ મહાવિદ્યાલય, બીલીમોરા.

વિશ્વ માતૃભાષા દિવસની ઉજવણી

આપણી માતૃભાષા ગુજરાતીની માવજત અને લાલન–પાલન બાબતે શિક્ષકોની ભૂમિકા નિર્ણાયક હોય તે વાતને કેન્દ્રમાં રાખીને ઉજવાયેલ આ ઉત્સવનો આરંભ ગુર્જર ધરાનું મહત્વ વ્યકત કરતી પ્રાર્થના દ્વારા કરવામાં આવ્યો હતો. ત્યારબાદ તાલીમાર્થીઓના પ્રેરક સમૂહગાન બાદ તાલીમાર્થી નિરાલી શાહે ગુજરાતી ભાષાના ઉદ્વવ વિશે, ભોયે રંજને માતૃભાષાના મહત્વ અંગે, મૈસુરીયા પૂજાએ ઉમાશંકર જોશી રચિત એક કાવ્ય પઠન અંગે રોહિત મયુરીએ ગુજરાતી ભાષા સંબંધી કિવઝ અંતર્ગત પ્રશ્નો રજૂ કર્યા હતા. કાર્યક્રમના આયોજક એવા ગુજરાતી વિષયના પ્રાધ્યાપક ડૉ. શીતલબેન વસાવાએ વિશ્વ માતૃભાષા દિવસના ઐતિહાસિક મહત્વ બાબતે સુંદર રજૂઆત કરી મા, માતૃભૂમિ અને માતૃભાષાના મહત્વને સ્પષ્ટ કરતા પ્રેરક વિચારો રજૂ કર્યા હતા. આચાર્યશ્રી ડૉ. કિશોરભાઈ નાયકે માતૃભાષાની માવજત બાબતે ભાવિ શિક્ષકો પાસેની અપેક્ષાઓ અને આપણી ગુજરાતી માતૃભાષા શા માટે અપાર વૈવિધ્ય સભર અને આપણા ભાવજગતને પ્રફુલ્લિત અને સહ સંવેદી બનાવી શકે છે એની મનોવૈજ્ઞાનિક આધારો સાથે સમીક્ષા કરી હતી. કોલેજના તમામ ૫૦ વિદ્યાર્થીઓએ લાઈબ્રેરીમાં પ્રદર્શિત કરેલ ભગવદ્રોમંડલના વિવિધ પુસ્તકો અને ગુજરાતી સાહિત્યના વિશાળ ખજાનાને મન ભરીને માણ્યો હતો. ત્યારબાદ માતૃભાષાની માવજતની અનિવાર્યતા વિષયક આયોજિત વકતૃત્વ સ્પર્ધામાં ૧૦ જેટલા તાલીમાર્થીઓએ અસરકારક રીતે વિષયને ન્યાય આપ્યો હતો. ભાવિ શિક્ષકો માતૃભાષાના મહત્વને સમજે એ માટે આયોજિત સ્લોગન સ્પર્ધા અને કાવ્યસર્જન સ્પર્ધામાં તમામ વિદ્યાર્થીઓએ ઉમળકાભેર ભાગ લીધો હતો. આ વિવિધ સ્પર્ધાઓમાં નિર્ણાયક તરીકે ડૉ. ગાયત્રીબેન, ડૉ. ફાલ્ગુનીબેન, ડૉ. કિરીટભાઈએ સુંદર

માર્ગદર્શન સહિત સેવા આપી હતી. સમગ્ર કાર્યક્રમનું સુચારૂ સંચાલન તાલીમાર્થી રાઠોડ સ્નેહલ અને આહિર યોગીતાએ સંભાળ્યું હતું.

સત્યમ કોલેજ ઓફ એજ્યુકેશન, ભરૂચ.

ઉજવણી

પ્રતિવર્ષ ૨૮ ફેબ્રુઆરી "રાષ્ટ્રીય વિજ્ઞાન દિવસ" તરીકે ઉજવાય છે. વિજ્ઞાન અને પ્રૌદ્યોગિકી વિભાગ, ગુજરાત રાજય, ગાંધીનગર પ્રેરિત ગુજકોસ્ટ સંલગ્ન રાજયના દરેક જિલ્લા કક્ષાના લોક વિજ્ઞાન કેન્દ્રોના માધ્યમથી સત્યમ કોલેજ ઓફ એજ્યુકેશન, ભરૂચના સંયુકત ઉપક્રમે રાષ્ટ્રીય વિજ્ઞાન દિવસની રાજયવ્યાપી ઉજવણી તા. ૬ ફેબ્રુઆરીથી તા. ૮ માર્ચના દિવસોમાં યોજાય રહી છે.

પ્રસ્તુત ઉજવણીના ભાગ રૂપે 'યજ્ઞ અને વિજ્ઞાન' વિષય પર વ્યાખ્યાનનું આયોજન તા.૧૧/૨/૨૦૨૧ ના રોજ થયું હતું. કાર્યક્રમની શરૂઆત દીપ પ્રાગટય દ્વારા કરવામાં આવી હતી. આ કાર્યક્રમના મુખ્ય મહેમાન તરીકે સંસ્થાના પ્રમુખ દિનેશભાઈ પંડયા, શ્રી નર્મદા સંસ્કૃત વેદ પાઠશાળાના શુભેચ્છક યોગેશભાઈ પંડયા, શ્રી અંરવિદભાઈ પંચાલ (ખગોળ શાસ્ત્રી), લોકવિજ્ઞાન કેન્દ્રના ચેરમેન કિર્તીબેન જોષી ઉપસ્થિત રહ્યા હતાં.

આ કાર્યક્રમના તજજ્ઞ વકતા તરીકે ભરૂચ સ્થિત ૧૪૦ વર્ષ જૂની શ્રી નર્મદા સંસ્કૃત વેદ પાઠશાળાના આચાર્ય શ્રી હરીશભાઈ ભટ્ટ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. પોતાના વકતવ્યમાં યજ્ઞ અને વિજ્ઞાન વચ્ચેના અનુંબધ વિશેની સમજ પૂરી પાડી હતી. યજ્ઞ એ પ્રકૃતિના બધા અંગોના સંતુલન માટે જરૂરી છે. પંચ તત્વોના સપ્રમાણને જાળવી રાખવા ઉત્તમ છે. પ્રાચીન ભારતમાં જન્મથી મૃત્યુ સુધી અને ખુશી તથા દુઃખમાં હવન કરવાનું વિશેષ મહાત્મય છે. સમિધો ૪૦ ટકા કાર્બન લઈ ૪૦ ટકા ઓકિસજન મુકત કરે છે.

પ્રણાલીગત ઈંધણ મૃત ઈંધણ ગણાય છે. જયારે ઘી અને દ્રવ્યો વિઘટિત થઈને પ્રદુષિત વાયુને શુદ્ધ કરે છે. યજ્ઞ એ પૃથ્વી પરનું શ્રેષ્ઠ કર્મ છે. જે વાતાવરણને શુદ્ધ કરે છે. પ્રાચીન ભારતમાં ૧૨ વર્ષ જેટલા લાંબા યજ્ઞો ચાલતા હતા આપણે અત્યારે જે વાતાવરણમાં જીવી રહ્યા છીએ તેની સાત્વિકતા પૂર્વે સમયમાં થયેલા યજ્ઞોના પરિણામે છે.

વિજ્ઞાન શિક્ષક અને ખગોળશાસ્ત્રીશ્રી અરવિંદ પંચાલે દીપપ્રાગટય અને સૂર્ય ઉપાસનાનો મર્મ સમજાવ્યો હતો. પર્યાવરણપ્રેમીશ્રી યોગેશભાઈ પંડયાએ આપણી સમગ્ર દિનચર્યા પયાવરણને નુકશાન કરે તેવી જ છે અને તેને મનુષ્ય જ અટકાવી શકે તેમ ભારપૂર્વક જણાવ્યુ હતું. આ પ્રસંગે ભરૂચ જિલ્લા શાળા સંચાલક મહામંડળના મંત્રી તથા શ્રેષ્ઠ શિક્ષક એવોર્ડ–રાષ્ટ્રપતિ એવોર્ડ વિજેતા શ્રી શબ્બીરભાઈ પટેલની વિશેષ ઉપસ્થિતિ રહી હતી.

આ કાર્યક્રમની ખાસ વાત એ હતી કે આ કાર્યક્રમ ઓફલાઈન અને ઓનલાઈન બેને માધ્યથી યોજાયો હતો જેમાં ૩૦૦ ઉપરાંત સહભાગીઓ જોડાયા હતા.

સ્પર્ધાનું આયોજન અને સંચાલન કો–ઓર્ડિનટર પ્રા. નિલેષભાઈ ઉપાધ્યાય અને ઓ.એસ.ડી. શ્રી વિનયભાઈ શેઠ અને શ્રીમતી કેશબેને કર્યુ હતું. પ્રમુખશ્રી દિનેશભાઈ પંડયા તથા ચેરમેનશ્રી કિર્તીબેન જોષીએ પ્રેરણા, પ્રોત્સાહન અને માર્ગદર્શન પૂરા પાડયા હતા.

Udhna Citizen Commerce College & S.P.B. College of Business Administration & Smt. Diwaliben Harjibhai Gondalia College of BCA & I.T., Surat.

પ્રજાસત્તાક દિનની ઉજવણી

ઉધના એકેડમી એજ્યુકેશન ટ્રસ્ટ સંચાલિત ઉધના કોલેજ કેમ્પસમાં તા. ૨૬/૦૧/૨૦૨૧ ના રોજ શાળા અને કોલેજના કર્મચારીઓની હાજરીમાં ૭૨મા પ્રજાસત્તાક દિનની ઉજવણી કરવામાં આવી હતી. શાળાના આચાર્ય ડૉ. દર્શન નાયક દ્વારા મુખ્ય મહેમાન અને ધ્વજારોહક શ્રી ભાણજીભાઈ પટેલ (પ્રમુખ, ઉધના એકેડમી એજ્યુકેશન ટ્રસ્ટ)નો પરિચય આપવામાં આવ્યો હતો. આ પ્રસંગે પ્રમુખશ્રીએ શાળા–કોલેજના કર્મચારીઓને સંબોધિત કર્યા હતા. આ પ્રસંગે ઉધના એકેડમી એજ્યુકેશન ટ્રસ્ટનાં ઉપપ્રમુખ શ્રી નિરંજનભાઈ પટેલ, મંત્રીશ્રી કાંતિલાલ પટેલ અને સહમંત્રી શ્રી નરેશભાઈ શાહ પણ હાજર રહ્યા હતા. આ પ્રસંગે તમામ ઉપસ્થિતોએ રાષ્ટ્રધ્વજને સલામી આપી રાષ્ટ્રગીત ગાયું હતું. સમગ્ર કાર્યક્રમ દરમ્યાન કોવિડ–૧૯ની માર્ગદર્શિકા મુજબ સામાજીક અંતર રાખવામાં આવ્યું હતું.

વર્તમાનપત્રોમાં પદવીદાન સમારોહ

ગુજરાત સમાચાર તા. ૨૭-૨-૨૦૨૧

વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સીટીના ૫૨માં પદવીદાન સમારોહ યોજાયો હતો. વિદ્યાર્થીઓને પદવી પ્રમાણપત્રો એનાયત થયા હતા.

નર્મદ યુનિ.ના પદવીદાન સમારોહમાં અમિતાભ કાંતનું દીક્ષાંત પ્રવચન

વિદ્યાર્થીઓએ મલ્ટીટેલન્ટેડ બનીને પોતાનું વ્યક્તિત્વ ખીલવવું જોઈએ

(પ્રતિનિધિ દ્વારા) સુરત, શુક્રવાર

વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટીના ૫૨માં વાર્ષિક પદવીદાન સમારોહમાં મુખ્ય મહેમાન એવા નીતિ આયોગના સીઈઓ અમિતાભ કાંતે વર્ચ્યુઅલ હાજરી આપીને દીક્ષાંત પ્રવચનમાં કોરોના મહામારી વચ્ચે અભ્યાસ પુર્ણ કરનાર વિદ્યાર્થીઓની પ્રશંસા કરી શિક્ષા એપ્લીકેશન ડાઉનલોડ કરી વિવિધ વિષયોનું આંગળીના ટેરવે નિઃશુલ્ક શિક્ષણ મેળવવા અપીલ કરી હતી.

જે જ્ઞાન પ્રાપ્ત થયું છે તે લોકકલ્યાણ અને રાષ્ટ્રના નિર્માણ માટે ઉપયોગી થાય તેવો પુરુષાર્થ કરોઃ રાજ્યપાલ આચાર્ય દેવવ્રત

અમિતાભ કાંતે વધુમાં જણાવ્યું હતું કે, કોરોના મહામારીનો વિકટ સમયનો મક્કમપણ મુકાબલો કરી ભારતે વેક્સિન નેશનલિઝમના સ્થાને દુનિયાના જરૂરિયાતમંદ દેશોને પણ રસી પહોંચાડી છે. આપણે એક વર્ષમાં જ કોરોનાની રસી શોધીને રસીકરણમાં આત્મનિર્ભર બન્યા છે. ઉપરાંત વિદ્યાર્થીઓને માત્ર પોતાના પુરતા નહીં પરંતુ મલ્ટીટેલન્ટેડ બની વ્યક્તિત્વ ખીલવવા અનુરોધ કર્યો હતો.

જ્યારે રાજ્યપાલ આચાર્ય દેવવ્રતે શિક્ષણ દ્વારા જે જ્ઞાન પ્રાપ્ત થયું છે તે લોકકલ્યાણ અને રાષ્ટ્રના નિર્માણ માટે ઉપયોગી થાય તેવો પુરુષાર્થ કરવા આહવાન કર્યું હતું. ગુજરાતની ધરતી સત્ય અને અહિંસાના પુજારી મહાત્મા ગાંધી, અખંડ ભારતના નિર્માતા સરદાર વલ્લભભાઈ પટેલ, સમાજ સુધારક સ્વામી દયાનંદ સરસ્વતી, શ્યામજી કૃષ્ણવર્મા જેવા મહાન પુરૂષોની ભૂમિ છે જેથી જ્ઞાન મેળવ્યા બાદ હવે એવું જીવન ઘડતર કરો જેથી આવનારી પેઢી તમારામાંથી પ્રેરણા લે. નર્મદ યુનિ.ના વાર્ષિક પદવીદાન સમારોહમાં ૧૨ વિદ્યાશાખાના ૧૧૧ અભ્યાસક્રમના ૩૬,૬૧૪ વિદ્યાર્થીઓ મેડલ અને પદવી તથા ૮૫ પીએચ.ડી અને ૧૪ એમ.ફીલની ડિગ્રી એનાયત કરવામાં આવી હતી.

પિતાએ જે વિષયમાં પ્રાઈઝ મેળવ્યું તે વિષયમાં પુત્રીએ ગોલ્ડ મેડલ મેળવ્યો

અઠવાલાઈન્સની એસ.પી.બી.કોમર્સ કોલેજની વિદ્યાથીની ઘટા શાહે બી.કોમ. માં ઉચ્ચત્તમ માર્ક્સ તેમજ એડવાન્સ્ડ એકાઉન્ટીંગ અને ઓડીટીંગના વિષયમાં ઉચ્ચ સીજીપીએ મેળવવા બદલ બે ગોલ્ડ મેડલ મેળવ્યા હતા. ઘટાના પિતા હરેશભાઈ શાહ સી.એ. છે અને માતા આભાબેન શાહ નવયુગ કોલેજમાં પ્રોફેસર છે. ઘટાએ કોઈ પણ પ્રકારના ટ્યુશન વિના ગોલ્ડ મેડલની સિધ્ધી મેળવી છે. ઉલ્લેખનીય છે કે ઘટાના પિતા સી.એ છે અને ઘટાએ જે વિષયમાં ગોલ્ડ મેડલ મેળવ્યો છે તે વિષયમાં જ તેના પિતા હરેશભાઈ શાહે વર્ષ ૧૯૮૨માં અવ્વલ રહ્યા હતા અને તેમને પ્રાઈઝ મળ્યું હતું. જેથી એમ કહી શકાય કે પિતાના નકશે કદમ પર ચાલી પુત્રીએ ગોલ્ડ મેડલ મેળવ્યો છે.

ધબકાર તા. ૨૭-૨-૨૦૨૧

એમ.એસ. (ઓપ્થેલ્મોલોજી)માં સૌથી વધુ ગુણાંક બદલ ડો.પિંકલ શિરોયાએ ગોલ્ડ મેડલ પ્રાપ્ત કર્યો

હાલ તામિલનાડુના કોઈમ્બતુર ખાતે કોર્નિયા ટ્રાન્સપ્લાન્ટ વિષયમાં સ્પેશ્યલાઈઝેશન કરી રહ્યાં છે ડો.પિંકલ

ધબકાર પ્રતિનિધિ, સુરત, તા. ૨૬

સુરત મહાનગરપાલિકા સંચાલિત સ્મીમેર મેડિકલ કોલેજમાં એમ.એસ. (ઓપ્થેલ્મોલોજી)ના અભ્યાસમાં સૌથી વધુ ગુણાંક મેળવવા બદલ સુરતના ડો.પિંકલ શિરોયાને નર્મદ યુનિવર્સિટીના પદવીદાનમાં ગોલ્ડ મેડલ મળ્યો હતો. સુરતના પૂર્વ મેયર અસ્મિતાબેન શિરોયા અને લોકદ્રષ્ટિ ચક્ષુબેંકના ચેરમેન પ્રફુલભાઈ શિરોયાની પુત્રી છે. ડો.પિંકલ શિરોયા એમ.બી.બી.એસ. પૂર્ણ કર્યા બાદ હાલ તામિલનાડુના કોઈમ્બતુર ખાતે કોર્નિયાના ટ્રાન્સપ્લાન્ટ (આંખની કીકીના પ્રત્યારોપણ)ના વિષયમાં સ્પેશ્યલાઈઝેશન કરી રહ્યાં છે. ડો.પિંકલ જણાવે છે કે, મારા પિતા લોકદ્રષ્ટિચક્ષુબેંકના માધ્યમથી સેવાપ્રવૃત્તિ સાથે સંકળાયેલા છે. તેઓની પ્રેરણાથી હું આંખની ડોક્ટર બની છું. નેત્રદાનથી મળતાં ચક્ષુઓને કોઈ જરૂરતમંદ વ્યક્તિમાં પ્રત્યારોપણ કરી તેને પુનઃદ્રષ્ટિઆપી શકાય છે. માતાપિતાના હૂંફ અને માર્ગદર્શનથી અભ્યાસ કરીને સફળતા મેળવી છે. કોર્નિયા ટ્રાન્સપ્લાન્ટમાં નિષ્ણાંત બની જેમણે દ્રષ્ટિગુમાવી છે એમને દ્રષ્ટિ પાછી મળે એ માટે કામ કરીશ.

વડાચૌટાની ઘટા શાહને બે ગોલ્ડ મેડલ

ધબકાર પ્રતિનિધિ, સુરત, તા. ૨૬

સુરતના વડાચૌટા વિસ્તારમાં રહેતી અને એસ.પી.બી.કોમર્સ કોલેજમાં અભ્યાસ કરતી ઘટા શાહને બી.કોમ. માં ઉચ્ચત્તમ માર્ક્સ તેમજ એડવાન્સ્ડ એકાઉન્ટીગ અને ઓડીટીગના ખાસ વિષયમાં ઉચ્ચ સીજીપીએ મેળવવા બદલ બે ગોલ્ડ મેડલ મળ્યા છે. ઘટા શાહના પિતા હરેશભાઈ શાહ સી.એ. છે અને માતા આભાબેન નવયુગ કોલેજમાં પ્રોફેસર છે. તેણે હર્ષ વ્યકત કરતાં જણાવ્યું કે, મેં આજ સુધી શાળા કે કોલેજ અભ્યાસ દરમિયાન કોઈ પણ પ્રકારના ટ્યુશનની મદદ વિના આ સિદ્ધિ મેળવી છે. એડવાન્સ્ડ એકાઉન્ટીગ અને ઓડીટીગ વિષય અઘરો હોવા છતાં હું જાતે જ શીખી આગળ વધી છું. અને આ વિષયમાં પારંગત થઈ છું. માતાપિતાના સહયોગ અને શિક્ષકોના માર્ગદર્શનથી ભણી-ગણીને આગળ વધવાની પ્રેરણાના કારણે આજે ગોલ્ડ મેડલ અને પારિતોષિક મેળવીને મારા પિતાની ઈચ્છા પૂર્ણ કરી છે.

ઘટા શાહે શાળા કે કોલેજ અભ્યાસ દરમિયાન કોઈ પણ પ્રકારનું ટ્યુશન લીધું નથી

ઉધનાની શ્રેયા સિંહે ઈંગ્લીશ લિટરેચરમાં ૩ ગોલ્ડ મેડલ મેળવ્યા

ધબકાર પ્રતિનિધિ, સુરત, તા. ૨૬

નર્મદ યુનિવર્સિટીના ૫૨મા પદવીદાન સમારોહમાં ગોલ્ડ મેડલ મેળવનાર તેજસ્વી વિદ્યાર્થીઓની ખુશી સમાતી નહોતી. વિદ્યાર્થીઓ સંઘર્ષમય પરિસ્થિતિમાંથી પસાર થઈને સતત પરિશ્રમ દ્વારા સ્નાતક તેમજ અનુસ્નાતક કક્ષાનો અભ્યાસ કરતા હોય છે, ત્યારે ગોલ્ડ મેડલ પ્રાપ્ત થાય તો મળતો આનંદ અનેકગણો હોય છે.

આવી જ એક વિદ્યાર્થીની શ્રેયા સિંહે માસ્ટર ઓફ ઈંગ્લીશ લિટરેચરનો અભ્યાસ કરી ગોલ્ડ મેડલ અને પારિતોષિક પ્રાપ્ત કર્યા છે. ૨૫ વર્ષીય શ્રેયા ઉધના વિસ્તારમાં પિતા સાથે રહે છે. તેમના પિતા સીસા કંપની ખાતે સીઆઈટી હેડ તરીકે ફરજ બજાવી રહ્યા છે, જ્યારે માતા ઝારખંડના રાંચીમાં શિક્ષીકા છે. આ મેડલ મેળવવા પાછળ માતા પિતા અને પ્રોફેસરોની મહેનત છે એમ તેણે કહ્યું હતું. શ્રેયાએ જણાવ્યું કે, હું રોજ કલાકો સુધી અભ્યાસ કરતી. સોશ્યલ મીડિયાનો માત્ર અભ્યાસ માટે જ ઉપયોગ કરૂ છું. મેં વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટીના ઈંગ્લીશ વિભાગથી મારું શિક્ષણ પૂર્ણ કર્યુ. ઈંગ્લીશ વિષયમાં ખુબ જ રૂચિ હોવાથી આ વિષયમાં તેણે અનુસ્નાતકની ડિગ્રી લેવાનું પસંદ કર્યુ અને તેમાં ૮.૦૦ (સીજીપીએ) પ્રાપ્ત કર્યા.

ઉધના ગામના પ્રજ્ઞેશ પટેલે ગણિત વિષયમાં બે ગોલ્ડ મેડલ મેળવ્યા

ધબકાર પ્રતિનિધિ, સુરત, તા. ૨૬

દક્ષિણ ગુજરાત યુનિ.માં પદવીદાન સમારોહમાં યુનિવર્સિટીના ડિપાર્ટમેન્ટ ઓફ મેથેમેટિક સાયન્સ વિભાગમાં ભણતા વિદ્યાર્થી પ્રજ્ઞેશ પટેલે બે મેડલ મેળવ્યા હતા. ઉધનાગામમાં રહેતાં ૨૩ વર્ષીય પ્રજ્ઞેશ અમૃતભાઈ પટેલ માસ્ટર ઈન મેથેમેટિક્સમાં સૌથી વધુ ૯.૯૨ (સીજીપીએ) ધરાવે છે . પ્રજ્ઞેશ જણાવ્યું કે, મારા માતા પિતાના સાથ સહકાર વગર આ શક્ય ન હતું. મારા પિતા સરદાર માર્કેટમાં એકાઉન્ટીગનું કામ કરે છે.

સ્વીકૃતિ કોઠારીને તૃતિય વર્ષ એમબીબીએસ-મેડિસિનમાં ત્રણ ગોલ્ડમેડલ

ધબકાર પ્રતિનિધિ, સુરત, તા. ૨૬

તૃતિય વર્ષ એમબીબીએસ-મેડિસિન વિભાગમાં ૩ ગોલ્ડ મેડલ અને વિવિધ કેટેગરીમાં પાંચ પારિતોષિક મેળવી સ્મીમેર મેડિકલ કોલેજના વિદ્યાર્થિની કુમારી સ્વીકૃતિ પરેશ કોઠારીએ પોતાના પરિવાર અને સમાજનું નામ રોશન કર્યુ છે. મહામુહિમ રાજ્યપાલશ્રીની ઉપસ્થિતિમાં દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટીના કન્વેન્શન સેન્ટરમાં આયોજિત પદ્દવીદાન સમારંભમાં કુ. સ્વીકૃતિ કોઠારીને ગોલ્ડ મેડલ અને પારિતોષિક એનાયત થયા હતા.

ધબકાર તા. ૨૭–૨–૨૦૨૧

(તસવીર : ડિમ્પલ બંગડીવાલા)

કોલેજમાં મેળવેલા જ્ઞાનનો સ્વ માટે નહી, રાષ્ટ્રનિર્માણ માટે ઉપયોગ કરજો : રાજ્યપાલ

વીર નર્મદ યુનિવર્સિટીનો ૫૧મો પદવીદાન સમારોહ યોજાયો: ૧૨ વિદ્યાશાખાઓના ૧૧૧ અભ્યાસક્રમોના ૩૬,૬૧૪ યુવા છાત્ર-છાત્રાઓને પદવીઓ એનાયત : ૮૫ પી.એચ.ડી. તથા ૧૪ એમ.ફિલધારકોને પદવીઓ એનાયત : હેપ્પી અને હેલ્ધી યુવાનો દેશની અમૂલ્ય સંપતિ છે: નીતિઆયોગના સી.ઇ.ઓ.અમિતાભ કાંત

ધબકાર પ્રતિનિધિ, સુરત, તા. ૨૬

રાજયપાલશ્રી આચાર્ય દેવવ્રતજીએ વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટીના ૫૨મા પદવીદાન સમારોહમાં દિક્ષાંત પ્રવચનમાં યુવા છાત્રોને આજીવન વિદ્યાર્થી બની કોલેજ શિક્ષણ દ્વારા જે જ્ઞાન પ્રાપ્ત કર્યું છે તે માત્ર સ્વઉત્કર્ષ માટે જ નહી, પણ લોકકલ્યાણ અને રાષ્ટ્રના નિર્માણ માટે પણ ઉપયોગી થાય તેવો પુરૂષાર્થ કરવા આહ્વાન કર્યું હતું.

યુનિવર્સિટીના કન્વેન્શન હોલ ખાતે આયોજિત સમારોહમાં રાજ્યપાલશ્રી અને મહાનુભાવોના હસ્તે ૧૨ વિદ્યાશાખાઓના ૧૧૧ અભ્યાસક્રમોના ૩૬,૬૧૪ યુવા છાત્ર-છાત્રાઓને મેડલ્સ તથા પદવીઓ એનાયત કરવામાં આવી હતી. આ ઉપરાંત ૮૫ પી.એચ.ડી. તથા ૧૪ એમ.ફિલ ધારકોને પદવીઓ એનાયત થઈ હતી.

રાજ્યપાલશ્રીએ વધુમાં જણાવ્યું હતું કે, ભારતની પ્રાચીન સંસ્કૃતિમાં પણ ઋષિમુનિઓ પોતાના શિષ્યોને શિક્ષા-દિક્ષા અર્પણ કરી અંતમાં 'સત્યંવદ, ધર્મં ચર અને સ્વાધ્યાયાં મા પ્રમદઃ'- સત્ય બોલવા, ધર્મનું આચરણ અને અભ્યાસમાં આળસ ન કરવાનો ઉપદેશ આપતાં હતા. તેમણે પદવી ધારણ કરતા વિદ્યાર્થીઓને ભારપૂર્વક જણાવ્યું હતું કે, ધર્મ એટલે પોતાના માટે જે સારૂં ઈચ્છો તેવું જ બીજાના માટે ઈચ્છો તે જ ધર્મ છે તેમ જણાવી સ્વાધ્યાયમાં-જ્ઞાન ઉપાર્જનમાં કયારેય આળસ નહીં કરવા તેમણે જણાવ્યું હતુ.

રાજયપાલશ્રીએ વિદ્યાર્થીઓને મહામૂલી શીખ આપતાં જણાવ્યું હતું કે, વાદળ વર્ષારૂપે વરસીને જેમ ધરતીની તરસ છીપાવે છે તે જ રીતે પોતાના જ્ઞાનની વર્ષાથી જ્ઞાનપિપાસુ લોકોની પ્યાસ સંતોષજો. તેમણે માતૃદેવો ભવઃ પિતૃ દેવો ભવઃ, આચાર્ય દેવો ભવઃ અને અતિથિ દેવોનો આપણો સંસ્કૃતિ ભાવને હૃદયમાં ઉતારવો જોઈએ. 'યત્ર નાર્યસ્તુ પૂજ્યન્તે, રમન્તે તત્ર દેવતાઃ' જયાં દીકરીઓ, મહિલાઓ, માતાઓનું સન્માન થાય ત્યાં દેવતાઓનો વાસ રહે છે તેમ જણાવીને દિકરા-દીકરી વચ્ચે કોઇ ભેદભાવ રાખ્યા વિના રાષ્ટ્રના નિર્માણ માટે સુસંસ્કારિત બનાવવાની રાજયપાલશ્રીએ હિમાયત કરી હતી.

ગુજરાતની ભૂમિ બહુરત્ના છે એમ જણાવતાં તેમણે ઉમેર્યું કે, ગુજરાતની ધરતી સત્ય અને અહિંસાના પુજારી મહાત્મા ગાંધી, અખંડ ભારતના નિર્માતા સરદાર વલ્લભભાઇ પટેલ,

અનુ. પાના ૭ પર

ગુજરાત ગાર્ડિયન તા. ૨૭–૨–૨૦૨૧

જ્ઞાનનો સ્વ માટે નહીં, રાષ્ટ્રનિર્માણ માટે ઉપયોગ કરજો : રાજ્યપાલ

નર્મદ યુનિવર્સિટીના પદવીદાન સમારોહમાં ૧૨ વિદ્યાશાખાઓના ૧૧૧ અભ્યાસક્રમોનાં ૩૬,૬૧૪ યુવા છાત્ર-છાત્રાઓ સહિત ૮૫ પી એચ.ડી. તથા ૧૪ એમ.ફિલધારકોને પદવીઓ એનાયત

હેપ્પી અને હેલ્ધી યુવાનો દેશની અમૂલ્ય સંપતી નીતિ આયોગના સી.ઈ.ઓ. અમિતાભ કાંત

સુરત, તા. ૨૬

''પોતાના માટે જે સારું ઈચ્છો તેવું જ બીજાના માટે ઈચ્છો, અને તે જ ધર્મ છે''ના ઉપદેશ સાથે આજીવન વિદ્યાર્થી બની રહેવાની ટકોર રાજ્યપાલ આચાર્ય દેવવ્રત દ્વારા વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટીનાં ૫૨માં વાર્ષિક પદવીદાન સમારોહમાં કરી ૧૨ વિધાશાખાની ૧૧૧ જેટલી અલગ-અલગ પદવીઓ ૩૬ હજાર ૬૧૪ જેટલા વિધાર્થીઓને એનાયત કરવામાં હતી. જયારે પદવીદાન સમારોહમાં ઓનલાઈન હાજર રહેલા નીતિ આયોગના સી.ઈ.ઓ.,અમિતાભ કાંતએ કોરોના મહામારી વચ્ચે વિદ્યાર્થીઓએ જે રીતે અભ્યાસ પૂર્ણ કર્યો તેની પ્રશંસા કરી હતી, તેમજ શિક્ષણ અને ટેકનોલોજીના વિરાટ સંસાધનો પ્રાપ્ય બન્યાં હોવાથી આંગળીના ટેરવે શિક્ષણ મેળવવાની હાંકલ કરી હતી.

વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટીનાં ૫૨માં પદવીદાન સમારોહમાં ૧૨ વિદ્યાશાખાના ૧૧૧ જેટલા અલગ-અલગ અભ્યાસક્રમમાં અભ્યાસપૂર્ણ કરનાર ૩૬ હજાર ૬૧૪

• અનુસંધાન પાના ૫ ઉપર

સંદેશ તા. ૨૭-૨-૨૦૨૧

યુનિવર્સિટીના પદવીદાન સમારોહમાં અમિતાભ કાંતનું ઓનલાઈન દીક્ષાંત પ્રવચન

નોલેજ-નેટવર્કિંગ આજના યુવાનોની તાકાત

પદવીદાન | એક વર્ષ પછી યુનિવર્સિટીમાં ઓફલાઈન સમારોહનું આયોજન, રાજ્યપાલ હાજર રહ્યા

| સુરત |

'ભારત દેશને બ્રાઈટ અને બ્રિલિયન્ટ યંગ બ્રિગેડની જરૂરીયાત છે. નોલેજ અને નેટવર્કિંગ દેશના યુવાનોની મોટી તાકાત છે. આ સિવાય ન્યૂ સ્કીલ, અપગ્રેડિંગ, કોમ્યુનિકેશન અને ટેક્નોલોજી થકી યુવાનો કોઈ પણ ક્ષેત્રમાં પોતાનું લક્ષ્યાંક સિદ્ધ કરી શકે છે.', આ શબ્દો છે કેન્દ્રીય નીતિ આયોગના સી.ઈ.ઓ. અમિતાભ કાંતના હતા. શુક્રવારે વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટીમાં આયોજિત ૫૨માં પદવીદાન સમારોહમાં અમિતાભ કાંતે ઓનલાઈન દીક્ષાંત પ્રવચન આપ્યુ હતું.

કોરોના મહામારી વચ્ચે એક વર્ષ પછી યુનિવર્સિટીમાં કોઈ મોટા ઓફલાઈન સમારોહનું આયોજન કરાયુ હતુ. શુક્રવારે રાજ્યપાલ આચાર્ય દેવવ્રત, કાર્યકારી કુલપતિ ડો.હેમાલી દેસાઈ, કાર્યકારી કુલસચિવ ડો. અરવિંદ ધડુક, સેનેટ-સિન્ડિકેટ સભ્યોની પ્રત્યક્ષ હાજરીમાં આયોજિત પદવીદાન સમારોહમાં નીતિ આયોગના સી.ઈ.ઓ. અમિતાભ કાંતે ઓનલાઈન દીક્ષાંત પ્રવચન આપ્યુ હતુ. તેમને જણાવ્યુ હતુ કે, છેલ્લા એક વર્ષમાં કોરોનાને કારણે શિક્ષણ સહિતના ક્ષેત્રોને માઠી અસર થઈ છે. શાળા-કોલેજો બંધ રહી હતી. જોકે, તે વચ્ચે ડિજિટાઈઝેશનના નવા યુગનો પણ આરંભ થયો છે. વિદ્યાર્થીઓએ ઓનલાઈન શિક્ષણ મેળવ્યું છે. ૨૦૨૧નું વર્ષ અનેક પડકારો લઈને આવ્યું છે. ભારત દેશે પણ આ પડકારો વચ્ચે પોતાની ક્ષમતા સાબિત કરી છે. ભારત દેશ સૌથી ઓછી કિંમતે વેક્સિન ઉપલબ્ધ કરાવી રહ્યું છે. આજે ભારત કોરોના વેક્સિનમાં કેપિટલ ઓફ વર્લ્ડ બની ગયું છે. આ સમયમાં યુવાનોએ પણ પોતાની ક્ષમતા સાબિત કરવી પડશે. મેન્ટલ અને ફિઝિકલ એક્ટિવ રહેવાની સાથે જ નોલેજ, નેટવર્કિંગ, સોસાયટીની જરૂરિયાતો, પર્યાવરણ જાળવણીની દિશામાં પ્રયાસો કરવા પડશે.

વિદ્યાર્થીઓને હવે ઘર બેઠા ડિગ્રી પહોંચાડાશે

કોરોના મહામારી વચ્ચે શુક્રવારે આયોજિત ઓફલાઇન પદવીદાન સમારોહમાં માત્ર મેડલ, પારિતોષિક અને પીએચ.ડી.ના વિદ્યાર્થીઓને જ પદવી એનાયત કરવામાં આવી હતી. બાકીના મોટા ભાગના વિદ્યાર્થીઓને હવે ઘર બેઠા ડિગ્રી પહોંચાડવામાં આવશે. પદવીદાન સમારોહની પ્રક્રિયા થકી ૧૧૧ અભ્યાસક્રમોમાં ૩૬૬૧૪ વિદ્યાર્થીઓને પદવી એનાયત કરવામાં આવી હતી. તેમાં કોમર્સમાં સર્વાધિક ૧૦૯૭૧, આર્ટ્સમાં ૯૬૪૩, સાયન્સમાં ૮૩૦૮, કોમ્પ્યુટર સાયન્સમાં ૨૬૯૫ પદવી એનાયત થઇ હતી. જ્યારે તબીબી વિદ્યાશાખામાં ૭૦૭, હોમિયોપેથીમાં ૨૪૦ પદવી અપાઇ હતી. આ સિવાય વિવિધ વિદ્યાશાખામાં મળીને ૮૫ પીએચ.ડી. અને ૧૪ એમ.ફીલની પદવી એનાયત થઇ હતી.

મા-બાપ, ગુરુજન પ્રત્યે લાગણી વગર ડિગ્રી નકામી : રાજ્યપાલ

રાજ્યપાલ આચાર્ય દેવવ્રતે યુવાનોને ઉદ્બોધન કરતા જણાવ્યુ હતુ કે, પ્રાચીન ભારતમાં દીક્ષાંતનું મહત્વ હતુ. ઔપચારિકતા નિભાવવાનું નામ દીક્ષાંત નથી. આત્મ નિરીક્ષણ કરવું તે દીક્ષાંત છે. આજે યુવાનોએ આત્મનિરીક્ષણ સાથે ભારતને ફરી વિશ્વગુરુ બનાવવાનું છે. તમને તમારી ભાષા, વેશભૂષા, ખાણીપીણી પણ ગૌરવ થવું જોઇએ. યુવાનોને એટલું જ કહેવું છે કે, માતા-પિતા માટે વૃદ્ધાશ્રમ જ બનાવવાના હોય અને ગુરુજન પ્રત્યે શ્રદ્ધા ન રાખી શકીએ તો ડિગ્રી કોઇ કામની નથી.

પૂર્વ મેયરની દીકરીને ગોલ્ડ મેડલ એનાયત

યુનિવર્સિટીના પદવીદાન સમારોહમાં સેવાભાવી તબીબ કમાન્ડન્ટ ડો.પ્રફુલ શિરોયા અને શહેરના પૂર્વ મેયર અસ્મિતા શિરોયાની પુત્રી ડો. પિંકલ શિરોયાને ૨૦૨૦માં લેવાયેલી એમ.એસ. ઓપથલ્મ પરીક્ષામાં યુનિવર્સિટીમાં સૌથી વધુ ગુણ મેળવવા બદલ રાજ્યપાલના હસ્તે ગોલ્ડ મેડલ એનાયત કરાયો હતો. જ્યારે યુનિવર્સિટીના સિન્ડિકેટ સભ્ય ભાવેશ રબારીને કાનૂની વિદ્યાશાખા, સેનેટ સભ્ય ભરત ભંડારીને કોમર્સ અને નવસારી લો કોલેજના કાર્યકારી આચાર્ય સહેનાઝ ટોડીવાલાને કાનૂની વિદ્યાશાખામાં સંશોધનાત્મક કામગીરી બદલ પીએચ.ડી.ની પદવી એનાયત કરાઇ હતી. ઉધના ગામમાં રહેતા પ્રજ્ઞેશ પટેલે ગણિત વિષયમાં બે, શ્રેયા સિંહે અંગ્રેજી સાહિત્યમાં ૩ અને વડાચૌટાની ઘટા શાહે ૨ ગોલ્ડ મેડલ મેળવ્યા હતા.

સંદેશ તા. ૨૭-૨-૨૦૨૧

સાડીનું જોબવર્ક કરતા પિતાના પુત્રએ M.Sc.ITમાં ગોલ્ડ મેડલ મેળવ્યો

VNSGUમાં શુભમ જસાણીએ 8.40 SGPA સાથે સૌથી વધુ માર્કસ મેળવ્યા

| સુરત |

વરાછામાં સાડી જોબવર્ક કરતા પિતાના પુત્ર શુભમ જસાણીએ એમ. એસસી આઈટીમાં ગોલ્ડ મેડલ મેળવ્યો છે. વીએનએસજીયુમાં શુભમે ૮.૪૦ SGPA સાથે સૌથી વધુ માર્કસ મેળવ્યાહતા. નર્મદ યુનિવર્સિટી દ્વારા તેને ગોલ્ડ મેડલ અને સર્ટીફિકેટથી સન્માનિત કરવામાં આવ્યો હતો.

વરાછામાં ત્રિકમનગર પાસે હોપી પેલેસમાં રહેતા ૨૧ વર્ષિય શુભમ જીતેશભાઈ જસીણીએ એમ.એસસી આઈટીના આઠમાં સેમેસ્ટરમાં સૌથી વધુ ગુણ મેળવતા સૂવર્ણ ચંદ્રક એનાયત કરવામાં આવ્યો હતો. તેમણે ૮.૪૦ એસજીપીએ મળવ્યા હતાં. શુક્રવારે પદવીદાન સમારોહમાં તેને સૂવર્ણ ચંદ્રક અને સર્ટીફિકેટ એનાયત કરવામાં આવ્યુ હતું. મધ્યમ વર્ગીય પરિવારમાંથી આવતા શુભમના પિતા સાડીમાં જોબવર્ક કરે છે. તેમણે સંતાનને સારા શિક્ષણ માટે અનેક પ્રયાસ કર્યા હતાં. પિતા જીતેશભાઈ એએ અમરેલીમાં કોલેજના બે વર્ષ અભ્યાસ કર્યો હતો. બાદમાં ધંધામાં જોડાઈ જતા અભ્યાસ અધુરો રહી ગયો હતો. તેથી, તેમણે શુભમને કોલેજ પૂર્ણ કરવાનો નિર્ધાર કર્યો હતો.

રાજ્યપાલના સંબોધનથી હું પ્રભાવિત થયો : શુભમ

શુભમે જણાવ્યુ કે રાજ્યપાલ આચાર્ય દેવવ્રતનાં સંબોધનથી તે પ્રભાવીત છે. તેમણે દેશમાં યુવાનોને વૃધ્ધાશ્રમ બંધ કરવાની હાંકલ કરી છે. સંતાનોએ વૃધ્ધ માતા-પિતા સાથે ઘરે હળી-મળીને રહેવુ જોઇએ. દેશમાંથી ભ્રુણ હત્યા અટકવી જોઇએ. યુવાનોએ ડિગ્રી મેળવીને ભારતના ભવિષ્યનુ સારૂ ઘડતર કરવુ જોઇએ.

શુભમ ભણવામાં તેજસ્વી હતો. તે ધો.૧૦ માં ૮૦ અને ધો.૧૨ સાયન્સમાં ૭૮ ટકા ગુણ સાથે પાસ થયો હતો.

બાદમાં નર્મદ યુનિવર્સિટીમાં એમ. એસસી આઈટીમાં પ્રવેશ મેળવ્યો હતો. સપ્ટેમ્બર-૨૦૨૦ માં લેવાયેલી એમ.એસસી આઈટીની પરીક્ષામાં શુભમે સૌથી વધુ ગુણ મેળવતા તેને સૂર્વણ ચંદ્રક અનેયત કરવા માટે લેટર આવ્યો હતો. લેટર જોઈને જસાણી પરીવારમાં ખુશીનો માહોલ ફેલાયો હતો. શુક્રવારે તેને ચંદ્રક આપીને સન્માનીક કરવામાં આવ્યો હતો. બાદમાં ડિગ્રી સર્ટીફિકેટ આપવામાં આવ્યુ હતું. શુભમે જણાવ્યુ કે તેને આઈટી એક્સપર્ટ બનવુ છે. કેમ્પસ ઈન્ટરવ્યુમાં તે નોકરી માટે સિલેક્ટ થયો છે. હાલમાં તેની ટ્રેનીંગ ચાલે છે. મૂળ અમરેલી જિલ્લાના બાબરા તાલુકાનો વતની જસાણી પરિવારમાં શુભમને નાની બહેન છે.

ગુજરાતમિત્ર તા. ૨૭-૨-૨૦૨૧

નર્મદ યુનિવર્સિટીના પદવીદાન સમારોહમાં 36614 પદવી એનાયત કરાઈ

વિદ્યાર્થીઓ મલ્ટિ ટેલેન્ટેડ બની વર્ચ્યુઅલ એજ્યુકેશન તરફ વળે: અમિતાભ કાંત

સમારોહમાં નીતિ આયોગના સીઇઓ અમિતાભ કાંત દ્વારા વિદ્યાર્થીઓને શિક્ષા એપ્લિકેશન ડાઉનલોડ કરવા પણ જણાવાયું

જ્યારે રાજ્યપાલે પોતાના માટે જેવું સારું ઇચ્છો તેવું બીજા માટે પણ ઇચ્છો તેવી વિદ્યાર્થીઓને શીખ આપી: રાજ્યપાલ

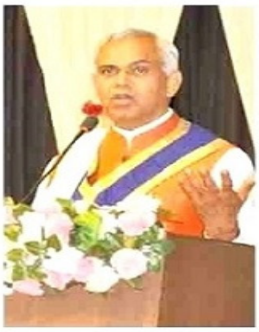

સુરતઃ વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટીનાં ૫૨માં વાર્ષિક પદવીદાન સમારોહમાં આજે ૧૨ વિદ્યાશાખાની ૧૧૧ જેટલી અલગ-અલગ પદવીઓ ૩૬ હજાર ૬૧૪ જેટલા વિધાર્થીઓને એનાયત કરવામાં હતી. પદવીદાન સમારોહમાં દિક્ષાંત પ્રવચનમાં નીતિ આયોગના સી.ઈ.ઓ.અમિતાભ કાંતએ કોરોના મહામારી વચ્ચે વિદ્યાર્થીઓએ જે રીતે અભ્યાસ પૂર્ણ કર્યો તેની પ્રશંસા કરી હતી, જ્યારે રાજ્યપાલ આચાર્ય દેવવ્રતએ વિદ્યાર્થીઓને ''પોતાના માટે જે સારું ઈચ્છો તેવું જ બીજાના માટે ઈચ્છો, અને તે જ ધર્મ છે''ના ઉપદેશ સાથે આજીવન વિદ્યાર્થી બની રહેવાની ટકોર કરી હતી.

કોરોનાની ગાઈડ લાઈન વચ્ચે અંતે વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટીમાં સોશિયલ ડિસ્ટન્સિંગ સાથે ૫૨માં પદવીદાન સમારોહનું આયોજન કરાયું હતું.

પદવીદાન સમારોહમાં ૧૨ વિદ્યાશાખાના ૧૧૧ જેટલા અલગ-અલગ અભ્યાસક્રમમાં અભ્યાસપૂર્ણ કરનાર ૩૬ હજાર ૬૧૪ વિદ્યાર્થીઓને ડિગ્રી એનાયત કરવામાં આવી હતી. પદવીદાન સમારોહમાં ઓનલાઈન હાજર રહેલા નીતિ આયોગના સીઈઓ અમિતાભ કાંતએ દીક્ષાંત પ્રવચનમાં જણાવ્યું હતું કે, કોરોનાકાળનો મક્કમપણે મુકાબલો કરી ભારતે વેક્સિન નેશનલિઝ્મના સ્થાને દુનિયાના જરૂરિયાતમંદ દેશોને રસી પહોંચાડી છે. સ્વનું ભલું નહિ, પણ સૃષ્ટિની ભલાઈ માટે વિચારવું એ ભારતનો સ્વભાવ છે. આપણે એક વર્ષમાં જ કોરોના રસી શોધીને રસીકરણમાં આત્મનિર્ભર બન્યા છીએ. અમિતાભ કાંતે વિદ્યાર્થીઓને શિક્ષા એપ્લિકેશન ડાઉનલોડ કરી વિવિધ વિષયોનું નિઃશુલ્ક શિક્ષણ મેળવવા અનુરોધ કર્યો હતો તેમજ શિક્ષણ અને ટેકનોલોજીના વિરાટ સંસાધનો પ્રાપ્ય બન્યાં હોવાથી આંગળીના ટેરવે શિક્ષણ મેળવવાની અપીલ કરી હતી. વર્ચ્યુઅલ વિશ્વએ ઘણી સમસ્યાઓ હલ કરી દીધી હોવાથી વિદ્યાર્થીઓએ એક કોચલામાં ન રહેતાં મલ્ટિટેલેન્ટેડ બની બહુઆયામી વ્યક્તિત્વ ખીલવવાનો પણ અનુરોધ કર્યો હતો.

જ્યારે રાજ્યપાલ આચાર્ય દેવવ્રતએ પદવીદાનનો ઉપદેશ સમજાવતા વિદ્યાર્થીઓને શિક્ષણ દ્વારા જે જ્ઞાન પ્રાપ્ત કર્યું છે તે માત્ર સ્વઉત્કર્ષ માટે જ નહીં, પણ લોકકલ્યાણ અને રાષ્ટ્રના નિર્માણ માટે પણ ઉપયોગી થાય તેવો પુરૂષાર્થ કરવાનું આહ્વાન કર્યું હતું.

ભારતની પ્રાચીન સંસ્કૃતિમાં પણ ઋષિમુનિઓ પોતાના શિષ્યોને શિક્ષા-દિક્ષા અર્પણ કરી અંતમાં ઉપદેશ આપતા હતા, તેમ સત્ય બોલવા, ધર્મનું આચરણ અને અભ્યાસમાં આળસ ન કરવા ઉપરાંત ''પોતાના માટે જે સારું ઈચ્છો તેવું જ બીજાના માટે ઈચ્છો તે જ ધર્મ છે તેમ જણાવીને માતૃદેવો ભવઃ પિતૃ દેવો ભવઃ, આચાર્ય દેવોભવઃ અને અતિથિ દેવોનો આપણો સંસ્કૃતિ ભાવને હૃદયમાં ઉતારવાની શિખામણ આપી હતી.

૩૬ હજાર વિદ્યાર્થીઓને ડિગ્રી એનાયત કરવામાં આવી

પદવીદાન સમારોહમાં ૧૨ વિદ્યાશાખાઓના ૧૧૧ અભ્યાસક્રમોના ૩૬,૬૧૪ યુવા વિદ્યાર્થીઓને મેડલ્સ તથા પદવીઓ એનાયત કરવામાં આવી હતી. આ ઉપરાંત ૮૫ પીએચ.ડી. તથા ૧૪ એમ.ફિલ. ધારકોને પદવીઓ એનાયત કરાઇ હતી.

કોવિડ-૧૯ની ગાઇડ લાઇનનું પાલન કરવા બેઠક વ્યવસ્થામાં યોગ્ય અંતર રખાયું

યુનિવર્સિટીના ૫૨માં વાર્ષિક પદવીદાન સમારોહમાં કોવિડ-૧૯ની ગાઇડ લાઇનનું ચૂસ્ત પાલન થઇ શકે તે માટે બેઠક વ્યવસ્થામાં કન્વેન્શન હોલની ખુરશીઓ ઉપર એક બેઠક છોડીને બીજી સીટ ઉપર બેસવાની વ્યવસ્થા કરવામાં આવી હતી. જેમાં જે સીટ ખાલી રાખવાની હતી તેના ઉપર 'ચોકડી' મારી દેવામાં આવી હતી.

સ્મીમેરની મેડિકલની વિદ્યાર્થિનીએ તૃતીય વર્ષમાં ત્રણ ગોલ્ડમેડલ મેળવ્યા

સુરતઃ તૃતિય વર્ષ એમબીબીએસ-મેડિસિન વિભાગમાં 3 ગોલ્ડ મેડલ અને વિવિધ કેટેગરીમાં પાંચ પારિતોષિક મેળવી સ્મીમેર મેડિકલ કોલેજની વિદ્યાર્થિની સ્વીકૃતિ પરેશ કોઠારીએ પોતાના પરિવાર અને સમાજનું નામ રોશન કર્યું છે. રાજયપાલની ઉપસ્થિતિમાં દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટીના કન્વેન્શન સેન્ટરમાં આયોજિત પદવીદાન સમારંભમાં સ્વીકૃતિ કોઠારીને ગોલ્ડ મેડલ અને પારિતોષિક એનાયત થયા હતા.

Chief Editor: Dr. K. C. Poria
Professor and Head
Department of Physics, Veer Narmad South Gujarat University,Surat.
Editor: Dr. B. J. Ankuya
Assistant Librarian, Veer Narmad South Gujarat University, Surat.
Published by: Arvind V. Dhaduk
I/c. Registrar, Veer Narmad South Gujarat University, Surat.
Type and Design by: Shri Pintu I. Patel
Jr. Library Assistant, Veer Narmad South Gujarat University, Surat.
'દક્ષિણાયન' સરનામુ : ડૉ. બી.જે.અંકુયા, તંત્રી, દક્ષિણાયન, યુનિવર્સિટી ગ્રંથાલય, વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટી, ઉધના–મગદલ્લા રોડ, સુરત–૩૯૫૦૦૭ e-mail: dakshinayanlibrary.vnsgu@gmail.com
This e-NEWSLETTER IS ALSO AVAILABLE ON THE LIBRARY AT WEBSITE www.vnsgulibrary.org.in